RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः56 , गुरुवार, 09 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन का 12 व 13 अप्रैल को पटना में होगा 6वां केंद्रीय ... 03

बिहार ब्लास्टर्स ने जीता एक करोड़ का प्रेसिडेंट कप, चार विकेट लेकर विशाल बने फाइनल... 04

पिंक साड़ी में कियारा आडवाणी ने उड़ाए होश, ग्लैमरस अवतार ने... 07

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट धार्मिक परंपरा को अंधविश्वास नहीं कह सकता

- सरकार बोली-आप एक्सपर्ट नहीं,यह फैसला विधायिका करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई जारी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना

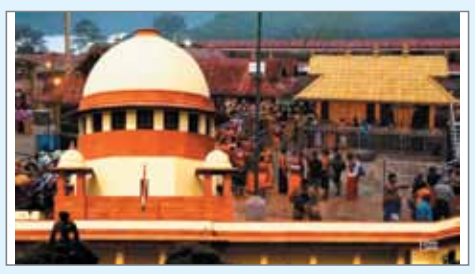

खतरनाक हो सकता है। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधानमंडल ही करेगा। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता।

जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ एलजी का ऐक्शन जारी

- लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े दो सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा की जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी लगातार जारी है। एलजी मनोज सिन्हा ने बुधवार को दो सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी है। इनमें से फरहत अली खांडे नाम का एक कर्मचारी रामबन में शिक्षा विभाग में क्लास 2 का कर्मचारी था। वहीं दूसरा कर्मचारी ग्रामीण विकास विभाग में क्लास-2 का कर्मचारी था, जिसकी पहचान बांदीपोरा के रहने वाले मोहम्मद शफी डार के रूप में हुई है। ये बर्खास्तगी भारत के संविधान के अनुच्छेद 311(2)(ए) के तहत की गई है। यह सरकारी तंत्र में घुसे आतंकवादियों को जड़ से खत्म करने के लिए चलाए जा रहे अभियान का ही एक हिस्सा है।

हिज्ब उल मुजाहिदीन के लिए काम करता था फरहत लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने हाल ही में कहा था कि वह तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक सरकारी मशीनरी से आतंक के कैंसर का आखिरी धागा भी नहीं उखाड़ दिया जाता। आतंकी फरहत हिज्ब उल मुजाहिदीन के लिए काम कर रहा था और उसने रामबन और आस-पास के इलाकों में आतंकवाद को फिर से खड़ा करने और एक बड़ा आतंकी नेटवर्क बनाने के लिए अपनी सरकारी हैसियत का इस्तेमाल कवर के तौर पर किया।

सीजफायर के तुरंत बाद भारत ने ईरान से साधा संपर्क

- होर्मुज में फंसे 16 जहाजों को लाने की तैयारी हुई शुरू
- क्षेत्रीय शांति और ऊर्जा सुरक्षा भारत की है प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका के बीच घोषित सीजफायर की घोषणा के तुरंत बाद बुधवार को भारत ने ईरान से संपर्क साधा है ताकि होर्मुज के पश्चिम में उसके जो तेल व गैस के जहाज फंसे हैं उन्हें तुरंत वहां से स्वदेश लाया जा सके। भारत सरकार ने सीजफायर का स्वागत करते हुए आशा जताई है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति कायम होगी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है, हम घोषित युद्ध विराम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की ओर ले जाएगा। जैसा कि हम पहले से लगातार वकालत कर रहे थे, संघर्ष को कम करने के साथ संवाद और

कूटनीति ही चल रहे संघर्ष को जल्द समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। भारत ने आगे कहा है कि संघर्ष से पहले ही लोगों को अपार पीड़ा पहुंची है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क बाधित हुए हैं। भारत उम्मीद करता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की निर्बाध स्वतंत्रता बनी रहेगी और वैश्विक वाणिज्य का सामान्य प्रवाह बहाल होगा।

कम होगा ऊर्जा संकट, सरकार ने जताया विश्वास- सरकारी सूत्रों के अनुसार, सीजफायर की घोषणा के बाद भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जारी चिंता अब कम होने की उम्मीद है। वर्तमान में भारत के 16 जहाज होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। इनमें अधिकांश तेल और गैस से जुड़े जहाज हैं।

ट्रंप से मिलेंगे विदेश सचिव

उधर, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी वाशिंगटन में ट्रंप प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। मिसरी 8-11 अप्रैल तक अमेरिका दौरे पर हैं। बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति पर विस्तृत विमर्श होने की संभावना है। इसके अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस सप्ताहांत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा पर जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि यह यात्रा भी भारत के पश्चिम एशिया के देशों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय इस दौरान कई बार यह जोर देता रहा है कि भारत के लिए हमेशा से क्षेत्रीय शांति, स्थिरता प्राथमिकता है।

न ईरान हारा, न अमरीका जीता, हो गया सीजफायर

- दो हफ्ते के लिए युद्धविराम, होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा सुनिश्चित

सीजफायर पर ट्रंप की मुहर, मोजतबा ने भी दे दी हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध को रोकने के लिए, किए गए सीजफायर की घोषणा के पीछे ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की भूमिका सामने आ रही है। एक्सियोस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस बड़े फैसले के पीछे ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई थे। जो पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे हैं। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच समझौता कराने के लिए जब पाकिस्तान नेता कई संशोधित प्रस्ताव को इधर उधर करा रहे थे।

भारत ने यूएस-ईरान सीजफायर का स्वागत किया- भारत सरकार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि यह कदम पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अहम साबित हो सकता है। बयान में कहा गया कि भारत पहले भी लगातार यह जोर देता रहा है कि तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए ही इस संघर्ष को खत्म किया जा सकता है।

इस्लामाबाद में मिलेंगे दोनों देशों के नेता

इसके बाद मंगलवार दोपहर तक, दोनों देशों के बीच आम सहमति बन गई थी। वहीं, कुछ घंटों बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर युद्धविराम समझौते की शर्तें जारी की और दोनों पक्षों से उन्हें स्वीकार करने की अपील की। ट्रंप ने भी फिर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मैं दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी और हमले रोकने पर सहमत हूं। इसके बाद उन्होंने समझौते को अंतिम रूप देने के लिए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बात की। ट्रंप के पोस्ट करने के 15 मिनट बाद ही अमेरिकी सेनाओं को हमले रोकने का आदेश मिल गया था। वहीं, अराघची ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान युद्धविराम का पूरी तरह पालन करेगा। इसके अलावा ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि दो हफ्ते के इस सीजफायर समझौते के तहत, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से होने वाले समुद्री यातायात की सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी। प्रतिनिधि मंडल इस्लामाबाद में मुलाकात करेंगे।

गुजरातियों पर किए कमेंट के लिए खरगे ने मांगी माफी

- बोले-हमेशा रहेगा सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान गुजरात के लोगों पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, लेकिन फिर भी वह खेद व्यक्त करते हैं। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हाल ही में केरल में दिए गए मेरे एक चुनावी भाषण की कुछ टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। फिर भी, मैं अपनी तरफ से जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करता हूं। गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में हमेश सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा।

रेपो रेट में बदलाव नहीं महंगे नहीं होंगे लोन

आरबीआई ने ब्याज दर 5.25 फीसदी पर बरकरार रखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी के फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। आरबीआई ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25 घटाकर 5.25 फीसदी की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, महंगाई में उछाल का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश से फल, सब्जियों और अनाज की कीमतें बढ़ने की आशंका है। ईरान-इजरायल जंग से सप्लाई चैन पर असर पड़ रहा है। आरबीआई अभी रुको और देखो की नीति अपना रहा है। ग्लोबल मार्केट में मची उथल-पुथल को देखते हुए आरबीआई जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहता। ब

ईरान से युद्धविराम कर चलते बने ट्रंप, फंस गया इजराइल

- अब इजरायल चुकाएगा कीमत,अमेरिका के फैसले से सदमे में नेतन्याहू!

तेल अवीव (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्धविराम कर जंग से बाहर निकल आए हैं जबकि सहयोगी इजरायल युद्ध के मैदान से उन्हें हैरान परेशान देख रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जीत का ढिंढोरा पीट दिया है जबकि हकीकत ये है कि ईरान ने अमेरिका की एक भी शर्त नहीं मानी। उल्टा होर्मुज स्ट्रेट पर अब तेहरान का कंट्रोल भी हो चुका है। इजरायल में सदमा है। विपक्षी नेता ने नेतन्याहू पर नाकामी के आरोप लगाए हैं। इजरायली अखबार देश की सरकार से कठिन सवाल पूछ रहे हैं। अखबारों में पूछा

गया है कि क्या वाकई ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोल रहा है? क्योंकि ईरान ने तो आधिकारिक बयान में जहाजों के गुजरने के लिए शर्तें लगा दी हैं। बिना ईरान सेना की इजाजत के कोई भी जहाज होर्मुज से निकल नहीं सकते। युद्धविराम होने के बाद भी ईरान की तरफ से मध्य इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की गई। इजरायल की इंटेलीजेंस कम्युनिटी को पहले से ही अंदाजा था कि अगर सीजफायर होता है तो इस तरह के हमले हो सकते हैं। ईरान और उसके प्रॉक्सी संगठन संदेश दे रहे हैं कि वो जीत चुके हैं और इजरायल में पूछा जा रहा है कि युद्ध से क्या हासिल हुआ है।

चिल्लाने लगे डेरेक ब्रायन सीईसी ने कहा-दफा हो जाओ

- बंगाल चुनाव के बीच महासंग्राम,टीएमसी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस और निर्वाचन आयोग के बीच कड़वाहट अपने चरम पर पहुंच गई है। बुधवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ और टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई महज सात मिनट की मुलाकात एक बड़े विवाद के साथ समाप्त हुई। टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, चुनाव आयोग की तरफ से भी सफाई दी गई और टीएमसी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। डेरेक ओ ब्रायन ने दावा किया कि जब प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के अधिकारियों के तबादलों और भाजपा के साथ उनके कथित संबंधों के सबूत सौंपे तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनसे कहा कि 'दफा हो जाओ'। टीएमसी का कहना है कि 10.02 पर शुरू हुई यह बैठक 10.07 पर ही खत्म हो गई। ओ ब्रायन के अनुसार, ज्ञानेश कुमार के अलावा किसी अन्य चुनाव आयुक्त ने एक शब्द भी नहीं बोला।

टीएमसी नेताओं ने चिल्लाकर बात की

दूसरी ओर, चुनाव आयोग के सूत्रों ने टीएमसी के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठ करार दिया है। पीटीआई ने आयोग के सूत्रों के हवाले से कहा है कि डेरेक ओ ब्रायन चुनाव आयुक्तों पर चिल्ला रहे थे और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को बोलने तक नहीं दिया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कथित तौर पर ओ ब्रायन से मर्यादा बनाए रखने का अनुरोध किया और कहा कि चीखना-चिल्लाना और अभद्र व्यवहार आयोग के कक्ष में उचित नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने टीएमसी नेताओं से केवल सीधी और स्पष्ट बात की थी, जिसे वे पचा नहीं पाए।

दक्षिण के रण में मोदी की हुंकार, राहुल गांधी गायब!

- चुनाव से पहले ही दरक रहा कांग्रेस-डीएमके गठबंधन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनावी सरगर्मियां जोरों पर हैं। जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार राज्य के दौरे कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तमिलनाडु में चुनाव प्रचार से दूरी राजनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर रही है। पिछले दो महीनों के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा और अपने सहयोगी दलों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए तीन बार तमिलनाडु का दौरा किया है। उनका यह अभियान यहीं नहीं रुकने वाला है; पीएम मोदी 15 अप्रैल को

फिर से राज्य का दौरा करने वाले हैं, जहां वे नागरकोइल में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित कर वोट मांगेंगे। पीएम मोदी के इस ताबड़तोड़ प्रचार के ठीक विपरीत, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अब तक तमिलनाडु में एक बार भी चुनाव प्रचार नहीं किया है। उनकी इस अनुपस्थिति ने इन अटकलों को हवा दे दी है कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस स्थिति की तुलना 2021 के विधानसभा चुनाव से कर रहे हैं। उस समय राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार कर दिया था।

पुडुचेरी में दिखा दूरियों का असर- दोनों दलों के बीच तनाव का सबसे स्पष्ट संकेत सोमवार को पुडुचेरी में देखने को मिला। चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में राहुल गांधी पुडुचेरी पहुंचे। उन्होंने वहां की जनता से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगा, लेकिन उन्होंने अपने पूरे भाषण में सहयोगी पार्टी डीएमके और उसके अध्यक्ष एमके स्टालिन का नाम तक नहीं लिया। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि उसी दिन एमके स्टालिन भी पुडुचेरी में मौजूद थे। लेकिन दोनों शीर्ष नेताओं के प्रचार का कार्यक्रम कुछ इस तरह से निर्धारित किया गया था कि दोनों का आमना-सामना ही न हो सके।

सीट बंटवारे की खींचतान का नतीजा

डीएमके के एक पदाधिकारी ने भी इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, राहुल ने अपने भाषण में एक बार भी स्टालिन के नाम का जिक्र नहीं किया। इसके जवाब में स्टालिन ने भी राहुल गांधी के बारे में कोई बात नहीं की। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच यह दूरी दरअसल चुनाव से पहले सीट-बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों के बीच हुई खींचतान और मनमुटाव का सीधा नतीजा है। डीएमके सूत्रों की मानें तो उनकी तरफ से राहुल और स्टालिन की मुलाकात कराने की कोई कोशिश भी नहीं की गई थी।

पार्टियों की सफाई और आगामी योजना

गठबंधन में अनबन की इन खबरों के बीच, टीएमके के संगठनात्मक सचिव आरएस भारती ने सफाई पेश की है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने अपनी-अपनी जनसभाओं की योजना बहुत पहले ही बना ली थी और आखिरी समय में एक संयुक्त रैली आयोजित करने के लिए शेड्यूल्स में बदलाव करना संभव नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह दावा जरूर किया कि दोनों नेता जल्द ही एक साथ चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे। इस बीच, राज्य के कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना है कि राहुल गांधी के चुनाव प्रचार का कार्यक्रम अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है लेकिन जो संभावित योजना बन रही है, उसके अनुसार राहुल गांधी असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के बाद तमिलनाडु का रुख करेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

- राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खरगे ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मेरठ से तीन बार सांसद रहीं मोहसिना किदवई का बुधवार को निधन हो गया।

93 साल की उम्र में किदवई ने सुबह चार बजे अस्पताल में आखिरी सांस ली। नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। मोहसिन किदवई के निधन पर कई राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक जताया है। राहुल गांधी ने सोशल साइट एक्स पर लिखा है,पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद मोहसिना किदवई जी के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। वे कांग्रेस पार्टी की एक वरिष्ठ और निष्ठावान नेता थीं, जिनका संपूर्ण जीवन जनसेवा का उदाहरण रहा है। अपनी सादगी, सौम्यता और गरिमामय राजनीतिक सफलता से उन्होंने देश की कई पीढ़ियों की महिलाओं को प्रेरित किया। दुख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या, मरने से पहले वीडियो बनाकर पत्नी को भेजा

हाजीपुर। वैशाली में रात युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने वीडियो बनाकर पत्नी को भेजा। घटना पातेपुर थाना क्षेत्र के खेसराही गांव की है। मृतक की पहचान स्वर्गीय राम शीरताज सिंह के बेटे महाकांत सिंह के रूप में हुई है। मृतक के चचेरे भाई मुकेश कुमार ने बताया कि महाकांत ने 11 साल पहले हाजीपुर के सांची पट्टी में प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से उनकी पत्नी रिशु देवी कथित तौर पर उन पर घर की पूरी जमीन बेचकर हाजीपुर में रहने का दबाव बना रही थीं। महाकांत इस बात से सहमत नहीं थे, वो हर बार इनकार कर देते थे। उन्हें अपने परिवार को छोड़कर नहीं जाना था। इस विवाद के कारण महाकांत की पत्नी बार-बार अपने मायके चली जाती थीं और पिछले तीन साल से वह वहीं रह रही थीं। मंगलवार रात करीब 9 बजे महाकांत सिंह ने अपने मोबाइल पर एक वीडियो बनाते हुए जहर खा लिया। उन्होंने यह वीडियो अपनी पत्नी को मोबाइल पर भेजा था। हालांकि, महाकांत की पत्नी ने इस घटना की जानकारी अपने ससुराल वालों को नहीं दी। ग्रामीणों में से कुछ लोगों को वह वीडियो मिला, जिसके बाद उन्होंने महाकांत के परिवार को सूचित किया। परिवार के सदस्य जब महाकांत के कमरे में पहुंचे, तो उन्हें वह मृत अवस्था में मिले। पत्नी को घटना की जानकारी होने के बावजूद वह तुरंत ससुराल नहीं पहुंचीं और बुधवार सुबह करीब 8 बजे वहां आईं। इसके बाद पातेपुर थाने की पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महाकांत सिंह अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

साली से शादी की जिद पर टावर पर चढ़ा युवक, वैशाली में 4 घंटों तक चला ड्रामा, कूदने की दी धमकी

हाजीपुर। वैशाली जिले में एक युवक अपनी साली से शादी की जिद पर एक बिजली टावर पर चढ़ गया। उसने टावर से कूदने की धमकी दी, जिसके बाद इलाके में 4 घंटे तक हाई वोल्टेज ड्रामा चला और भारी भीड़ जमा हो गई। यह घटना चांदपुरा थाना क्षेत्र के धर्मपुर रामराय पंचायत में हुई। युवक की पहचान जगा शर्मा के पुत्र के रूप में हुई है। वह एयरटेल के एक टावर पर चढ़ा था और लगातार अपनी साली से शादी कराने की मांग कर रहा था। इस दौरान राज कुमार ने कहा कि मेरा मांग है कि मुझे प्यार चाहिए वो मुझे प्यार करें। वो लड़की कोई और नहीं मेरी साली है। उसको रखने से मेरी पत्नी को कोई दिक्कत नहीं है। दो बच्चे मुझे भी है, दो बच्चे साली को भी है। "मैं चारों बच्चे को पालने के लिए तैयार हूं" मेरा ससुराल जंदाहा शाहपुर गांव में है। 2015 में मेरी पहली शादी हुई थी। उसके दो तीन साल बाद साली से प्यार हो गया। हमदोनों ने शादी भी कर ली थी, फिर भी उसकी शादी कही और कराई गई। उसने मुझे प्यार का फर्ज निभाने का वचन दिया था। लेकिन बाद में वो मुकर गई। मुझे साली चाहिए मुझें कुछ भी नहीं चाहिए। उसने कहा कि मेरी पत्नी भी कहती है मुझे बहन चाहिए। जब मेरी साली आ जाएगी तब नीचे उतर जाएंगे। मेरी पत्नी बार-बार बेहोश हो रही है, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। मुझे साली चाहिए। सूचना मिलने पर देसरी और चांदपुरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने युवक को नीचे उतारने के लिए घंटों तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। युवक को समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने युवक को सुरक्षित टावर से नीचे उतारा। इस घटना के कारण क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था, जिसे पुलिस ने शांत किया।

शराब शराब तस्कर अरेस्ट, बिहार एसटीएफ ने रेलवे स्टेशन से दबोचा, 16 मामले है दर्ज, 10 हजार कैश जब्त

मुजफ्फरपुर। बिहार पुलिस की विशेष कार्य बल (STF) ने मुजफ्फरपुर के कुख्यात शराब माफिया राजा साह उर्फ राजा गुप्ता को गिरफ्तार किया है। हथौड़ी थाने का वांछित बदमाश मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन परिसर से पकड़ा गया। STF को गुप्त सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार चल रहा राजा साह रेलवे स्टेशन के पास मौजूद है। इसी सूचना के आधार पर 07/08 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात STF की टीम ने जाल बिछाकर उसे गिरफ्तार किया। राजा साह हथौड़ी थाना क्षेत्र के बेरई का निवासी है और उसके पिता का नाम राम बिनोद साह है। राजा साह के खिलाफ मुजफ्फरपुर के अलग-अलग थानों में 16 से अधिक मामले दर्ज हैं। ये मामले शराब तस्करी के अलावा आर्म्स एक्ट के तहत भी हैं। वह हथौड़ी थाना कांड संख्या 219/25 में बिहार मद निषेध और उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत फरार था। गिरफ्तारी के समय पुलिस ने राजा साह के पास से 10,695 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, तीन अतिरिक्त सिम कार्ड, दो क्रेडिट कार्ड, एक घड़ी और चांदी जैसी धातु की दो अंगूठियां बरामद की हैं। STF ने राजा साह को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाने को सौंप दिया है। पुलिस उसके नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और बरामद सिम कार्डों के उपयोग की जांच कर रही है। इस गिरफ्तारी को मुजफ्फरपुर में शराब माफियाओं के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुजफ्फरपुर में आभूषण कारोबारी से छिनतई, जेवर से भरा झोला छीनकर भागे बाइक सवार बदमाश

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में मंगलवार की देर रात आभूषण कारोबारी से छिनतई हुई। घटना मीनापुर थाना क्षेत्र के पानापुर ओपी के ओवरब्रिज के नीचे हुई। बाइक सवार बदमाश आभूषण कारोबारी से सोने-चांदी के जेवर छीनकर भाग गए। जेवर में 260 ग्राम सोना और 2 किलो चांदी के आभूषण शामिल थे। बाजार मूल्य के हिसाब से इसकी कीमत करीब 40 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना को अंजाम देकर बदमाश एनएच के रास्ते मोतीपुर की दिशा में भाग गए। महज 5 मिनट के अंदर बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलते ही पानापुर ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ पूर्वी वन अलय वत्स भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए। पीड़ित कारोबारी कांटी थाना क्षेत्र के वीरपुर निवासी सुरेंद्र प्रसाद है। उनकी पानापुर बड़ा बाजार में आभूषण की दुकान है। कारोबारी के अनुसार, मंगलवार को वे दुकान बंद कर अकेले बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पानापुर ओवरब्रिज के नीचे 2 बाइक पर सवार 4 बदमाश आए और उन्हें घेरकर झोले में रखे सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। झोला बाइक की टंकी पर रखा हुआ था। पीड़ित कारोबारी ने बदमाशों का काफी दूर तक पीछा भी किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। वापस लौटकर उन्होंने ओपी पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने बदमाशों की पहचान के लिए चौक और आसपास की कई दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। एसडीपीओ पूर्वी वन अलय वत्स ने बताया कि बाइक की टंकी पर रखे आभूषण से भरे झोले को लेकर बदमाश फरार हो गए। घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की गई है। कारोबारी से पूछताछ कर पूरी जानकारी ली गई है और बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच जारी है, हालांकि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पटना-बांका समेत 11 जिलों में बारिश, पूरे बिहार में अलर्ट

♦ 12 में हेवी रेन की संभावना, ठनका गिरने की चेतावनी

एजेंसी, पटना

पटना समेत बिहार के कई जिलों में मौसम बदला हुआ है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में सुबह से बादल छाए हैं। पटना में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। गोपालगंज, बेगूसराय, बांका समेत 11 जिलों में भी तेज बारिश हो रही है।

मौसम विभाग ने आज 12 में ऑरेंज और 26 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक के साथ भारी बारिश, बिजली गिरने और कहीं-कहीं ओले की भी आशंका जताई है। इन जिलों में हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा रह सकती है। यलो अलर्ट वाले जिलों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, यह खराब मौसम अभी दो दिनों तक जारी रहेगा। खासकर आज और कल इसका असर ज्यादा देखने को मिलेगा। इस दौरान कई जगहों पर अचानक तेज बारिश, बिजली गिरने और आंधी की स्थिति बन सकती है।

ऐसा मौसम क्यों बना हुआ है: इस असामान्य मौसम के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे पहले, पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में सक्रिय है, जो मौसम में बदलाव ला रहा है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी से नमी वाली हवाएं लगातार बिहार की ओर आ रही हैं। इन दोनों के मिलने से वातावरण में नमी बढ़ी और अस्थिरता पैदा हो गई है। इसके अलावा, क्षेत्र में एक चक्रवाती परिसंचरण भी बना हुआ है, जो बादलों के तेजी से बनने और गरज-चमक के साथ बारिश को बढ़ावा दे रहा है। यही वजह है कि आंधी, वज्रपात और ओलावृष्टि जैसी स्थितियां बन रही हैं।

लोगों और किसानों के लिए जरूरी सलाह: मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें। वज्रपात के समय खुले स्थान, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें और सुरक्षित जगह पर शरण लें। किसानों को सलाह दी गई है कि वे तैयार फसलों की जल्द कटाई कर लें और सुरक्षित भंडारण करें। खेत में रखी फसल को ढंककर रखें ताकि बारिश और ओलावृष्टि से नुकसान कम हो सके।

बेटे को घुड़सवारी सिखा रहे अनंत सिंह, दे रहे रहे ट्रेनिंग

बोले- आराम से दौड़ाओ, बेटे को आईपीएस बनाना चाहते हैं

एजेंसी, पटना

मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह इन दिनों अपने बेटे को घुड़सवारी की ट्रेनिंग दे रहे हैं। बेटे अभिनव को घुड़सवारी सिखाने का वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पटना स्थित उनके आवास का है। वीडियो में अनंत सिंह कुछ लोगों के साथ कुर्सी पर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इसी दौरान अभिनव सफेद घोड़े पर सवार होकर आता है और उसे रोकने की कोशिश करता है। इस पर अनंत सिंह कहते हैं, "धीरे-धीरे, आराम से।"

बेटे को घुड़सवारी सिखाने का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनव काले घोड़े पर सवार नजर आ रहा है। इस वीडियो में भी अनंत सिंह बेटे को घोड़े पर संतुलन बनाने के गुर सिखाते दिख रहे हैं। अनंत सिंह को घोड़ों का बहुत शौक है। उनके पास कई महंगे घोड़े हैं। जिस काले घोड़े के साथ अभिनव दिख रहे हैं, वो अनंत सिंह के महंगे घोड़ों में से एक है।

जेल से निकलने के बाद अपने पसंदीदा घोड़े के साथ दिखे थे अनंत सिंह: 28 मार्च को अनंत सिंह पटना वाले अवास के बाहर अपने पसंदीदा काले रंग के घोड़े की लगाम थामे दिखे। इसका वीडियो भी सामने आया। वीडियो में दिख रहा है कि अनंत सिंह घोड़े की लगाम थामे कह रहे हैं- चल तो, घोड़ा चलने लगता है। फिर कहते हैं आगे बढ़ तो, घोड़ा आगे बढ़ने लगाता है।

पटना का मोस्ट वांटेड शिव गोप अरेस्ट एसटीएफ ने जक्कनपुर से दबोचा

एजेंसी, पटना

❐ टॉप-10 अपराधियों में शामिल, हत्या सहित कई मामलों में था फरार

पटना पुलिस और STF को बड़ी सफलता मिली है। राजधानी के टॉप-10 अपराधियों में शामिल शिव गोप को जक्कनपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर हत्या, लूट और रंगदारी समेत दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, शिव गोप को वर्ष 2018 में हुई एक हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया है। लंबे समय से उसकी तलाश चल रही थी।

दीपक मेहता हत्याकांड में भी नाम: जेडीयू नेता और दानापुर नगर उपाध्यक्ष दीपक मेहता हत्याकांड में भी शिव गोप का नाम सामने आया था। इस हत्याकांड में शामिल शूटर ने शिव गोप और रवि गोप का नाम लिया था। 28 मार्च 2022 को कार्बाइन से दीपक मेहता की गोली मारकर हत्या की गई थी। उस समय शूटर्स ने बताया था कि जमीन विवाद में रवि और शिव ने 7 लाख की सुपारी देकर हत्या कराई है।

2024 में श्मशान घाट से हुई थी गिरफ्तारी: शिव को वर्ष 2024 में पूर्व राजद विधायक रीतलाल यादव के पिता के दाह संस्कार में शामिल होने के लिए दीघा घाट आया था। इसी दौरान STF और पटना पुलिस ने उसे दबोच लिया था। सूत्रों के मुताबिक, 90 के दशक में मीठापुर समेत पटना के कई इलाकों में शिव गोप का दबदबा था। उसके खिलाफ पटना के अलग-अलग थानों में संगीन अपराधिक मामले दर्ज हैं। करीब 21 साल जेल में रहने के बाद बाहर निकलते ही वह दोबारा अपराध की दुनिया में सक्रिय हो गया। उसके मजबूत नेटवर्क हैं। पुलिस के अनुसार, जेल से छूटने के बाद शिव गोप अपराध करने के लिए शूटर और अपराधी मुहैया कराता था।

पटना ईओयू दफ्तर पहुंचे सहरसा डीआरडीए निदेशक वैभव कुमार, एक घंटे से पूछताछ जारी

एजेंसी, पटना

❐ 2.41 करोड़ की आय से अधिक संपत्ति का मामला

बिहार में आय से अधिक संपत्ति के मामलों में आर्थिक अपराध इकाई (EOU) की कार्रवाई तेज हो गई है। EOU ने सहरसा के डीआरडीए निदेशक वैभव कुमार को पूछताछ के लिए तलब किया, जिसके बाद आज बुधवार को वे पटना स्थित EOU दफ्तर पहुंचे हैं। पिछले एक घंटे से EOU की पांच सदस्यीय टीम उनसे पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में की जा रही है। इससे पहले भी मंगलवार को EOU ने उन्हें बुलाया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए थे।

EOU ने छह ठिकानों पर की छापेमारी: पिछले मंगलवार को EOU की टीम ने मुजफ्फरपुर और सहरसा सहित कुल छह ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान अधिकारियों को 16 संपत्तियों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले। छापेमारी में पटना और मुजफ्फरपुर में स्थित कई कीमती जमीन के प्लॉट सहित अन्य संपत्तियों के दस्तावेज बरामद हुए हैं।

2.41 करोड़ आय से अधिक संपत्ति का मामला: जांच एजेंसियों के मुताबिक, वैभव कुमार के खिलाफ 2.41 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला पहले ही दर्ज किया जा चुका था। छापेमारी में मिले साक्ष्य इस मामले को और मजबूत कर रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वैभव कुमार ने मुजफ्फरपुर के हरिशंकर मनियारी गांव में 'ऐश्वर्या मैक्स ग्लो आईटीआई' नाम से एक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया है। इस संस्थान के निर्माण और वर्कशॉप पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। यह संस्थान एक चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से संचालित हो रहा है, जिसमें उनके पिता को प्रबंधक बनाया गया है। संस्थान के लिए एक बीघा जमीन वार्षिक लीज पर ली गई है, जिसका उपयोग खेल मैदान के रूप में किया जा रहा है।

बैंक खाते, जमीन और निवेश पर ईओयू की नजर: छापेमारी के दौरान वैभव कुमार और उनकी पत्नी के बैंक खातों में 20 लाख रुपए से अधिक की राशि जमा मिलने की पुष्टि हुई है। इसके बाद ईओयू ने संबंधित खातों और लॉकर को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जांच एजेंसी को यह भी पता चला है कि वैभव कुमार ने अपने स्वजनों के नाम पर पटना और मुजफ्फरपुर में 16 भूखंड खरीद रखे हैं। इसके अलावा उनके पास दो वाहन भी पाए गए हैं, जिनमें एक टाटा नेक्सन शामिल है। इतना ही नहीं, ईओयू को शेयर बाजार और बीमा कंपनियों में निवेश से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं, जो उनकी आय और संपत्ति के बीच असंतुलन की ओर इशारा करते हैं।

स्नेक बाइट वाले एंटी वेनम का नशे में इस्तेमाल, 1 करोड़ की खेप जब्त, सरकारी कर्मियों की भूमिका की जांच

एजेंसी, पटना

♦ नेपाल बॉर्डर तक फैला नेटवर्क

राजधानी पटना के अगमकुंआ इलाके में नशीली दवाओं के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। भगवत नगर स्थित एक मकान में छापेमारी कर पुलिस ने करीब 1 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं बरामद की हैं। 6 अप्रैल को गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस को 9,370 यूनिट नशीले इंजेक्शन और 5,537 यूनिट कोडीन युक्त कफ सिरप मिले हैं। इसके अलावा एंटीबायोटिक और एंटी-वेनम जैसी दवाएं भी बरामद की गईं।

गुप्त सूचना की गई छापेमारी: गुप्त सूचना के आधार पर 6 अप्रैल को पटना पुलिस ने भगवत नगर इलाके में स्थित अजय कुमार के मकान में छापेमारी की थी। इस दौरान मकान से एक करोड़ की नशीली दवा बरामद की गई थी। इसमें विभिन्न कंपनियों के लगभग 9,370 यूनिट नशीले इंजेक्शन, विभिन्न कंपनियों के कोडीन युक्त कफ सिरप के लगभग 5,537 यूनिट शामिल थे। मकान से कदमकुआं का रहने वाला जयंत कुमार (35 वर्ष) पकड़ा गया था।

नशीली दवा के साथ एक गिरफ्तार, दूसरा फरार: पटना पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि, 'जयंत कुमार और नीरज कुमार ने किराए पर अजय कुमार से रुम लिया था। जयंत को गिरफ्तार कर लिया गया है। जयंत शराब के कारोबार में पूर्व में जेल जा चुका है। जेल से छूटने के बाद नीरज के साथ मिलकर नशीली दवा की कारोबार पर शामिल हो गया था। अलग-अलग कंपनी के कोडिन युक्त कफ सिरप (गुजरात, हिमाचल और उत्तराखंड निर्मित) मिले हैं। बहुत सारी स्नैक बाइट की एंटी वैनम, एंटी बायोटीक दवा मिली है।'

दो FIR दर्ज, ट्रांसपोर्ट कंपनी भी कार्रवाई संभव: पूर्वी एसपी कुमार ने बताया कि, 'इस मामले में एनडीपीएस एक्ट और सरकारी दवा की चोरी समेत दो FIR दर्ज की गई है। इसमें कहीं ना कहीं ट्रांसपोर्ट कंपनी की भी संलिप्तता है। इसकी भी जांच की जा रही है। भूमिका निकलकर सामने आने पर उन पर भी केस दर्ज किया जाएगा।'

10 सालों से अवैध दवा का कारोबार: नीरज अपने पार्टनर कुंदन और जयंत के साथ मिलकर पिछले 10 सालों से नशीली दवा का कारोबार कर रहा है। सप्लाई चैन नेपाल बॉर्डर इलाके तक फैला है। पुलिस जांच में यह बात निकाल कर सामने आई है कि नशे के तौर पर एंटी वेनम का भी इस्तेमाल हो रहा था। जयंत ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि, नीरज अस्पताल और सरकारी कर्मियों की मदद से एक्सपायर दवा खरीदना था और उसकी भी रीपैकेजिंग करके फिर इस्तेमाल करता था।

पटना के अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में मजदूरों का हल्लाबोल

एजेंसी, पटना

पटना के दनियावां स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड (पाटलिपुत्र सीमेंट वर्क्स) के मुख्य गेट पर बुधवार को सैकड़ों मजदूरों ने विरोध प्रदर्शन किया। अपनी मांगों को लेकर मजदूरों ने कामकाज ठप कर दिया है। मजदूरों की मुख्य मांग केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन लागू करना और मजदूरी में बढ़ोतरी करना है। उनका कहना है कि मौजूदा वेतन में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।

783 की जगह मिल रहे 436 रुपए- प्रमोद प्रसाद: प्रदर्शन में शामिल मजदूर प्रमोद प्रसाद ने बताया कि नियमानुसार उन्हें प्रतिदिन 783 रुपए मिलने चाहिए, लेकिन उन्हें केवल 436 रुपए ही दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वेतन से PF कटने और छुट्टियों का पैसा काटे जाने के कारण हाथ में आने वाली राशि और कम हो जाती है।

प्रबंधन पर शोषण का आरोप: मजदूरों ने आरोप लगाया कि जब वे अपनी मांग उठाते हैं, तो प्रबंधन उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी देता है। उनका कहना है कि मामूली बढ़ोतरी कर उन्हें शांत कराने की कोशिश की जाती है। इस मामले में जब फैक्ट्री के एचआर हेड श्यामेंद्र दधीचि से संपर्क किया गया, तो उन्होंने तत्काल कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। हालांकि, बढ़ते विरोध को देखते हुए प्रबंधन ने मजदूरों से उनकी मांगों का लिखित आवेदन मांगा है। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और मजदूर अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

मनेर में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म मां छोड़ कर बाजार गई थी

एजेंसी, पटना

पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र के एक गांव में सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि 13 वर्षीय चचेरे भाई ने मंगलवार को इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नाबालिग को निरुद्ध कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना के समय बच्ची की मां उसे घर में अकेला छोड़कर बाजार गई हुई थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला उसका चचेरा भाई घर में घुस आया और बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

दुष्कर्म कर नानी के घर भागा लड़का: दुष्कर्म के बाद बच्ची अचेत हो गई, जिससे डरकर आरोपी नाबालिग अपने नानी के घर भाग गया। बच्ची के परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई।

पीड़ित लड़की की मां ने बताया मेरी बच्ची के साथ गलत हुआ है। बच्ची का चचेरा भाई जो घर के पास ही रहता है उसने मेरी सात साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया है। घटना तब हुई जब मैं मनेर बाजार गई थी और बच्ची घर में अकेली थी।

आरोपी को हिरासत में लिया गया: परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को 8 किलोमीटर दूर उसके नानी के घर से हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी रजनीश कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम भी मनेर पहुंची और घटनास्थल की छानबीन की। एफएसएल की टीम ने लड़की के अंतः वस्त्रों को जांच के लिए लिया है। पुलिस ने दुष्कर्म की पुष्टि की है और बताया कि विधि विरुद्ध बालक को निरुद्ध कर आगे की जांच की जा रही है।

मुंगेर शिक्षिका के ड्रेस विवाद में डीईओ ने रखा पक्ष

एजेंसी, पटना

❐ पटना महिला आयोग में बोले- शिक्षक संघ ने भ्रमाक समाचार फैलाई, सभी आरोप बेबुनियाद

मुंगेर में एक शिक्षिका के ड्रेस मामले में DEO पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगा था। इस मामले में बिहार राज्य महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया था। इस पर अपना पक्ष रखने के लिए आज जिला शिक्षा पदाधिकारी महिला आयोग पहुंचे थे। उन्होंने आयोग की अध्यक्ष के सामने इन आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया। डीईओ ने कहा कि जिले में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार निरीक्षण और कार्रवाई की जा रही है। लेकिन कुछ लोग मनगढ़ंत आरोप लगाकर उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं।

शिक्षक संघ पर भ्रामक खबर फैलाने का आरोप: बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो अप्सरा ने कहा कि, 'जिला शिक्षा पदाधिकारी कुणाल गौरव खुद महिला आयोग आए थे। उन्होंने इस मामले में अपना पक्ष रखा है। DEO का कहना है कि कि शिक्षक संघ द्वारा यह भ्रामक समाचार फैलाई गई है। जिसने यह भ्रामक समाचार फैलाई है, वह बर्खास्त किए गए पूर्व शिक्षक हैं। वह अपने पोस्ट का गलत उपयोग कर आजकल पैसे उगाही में रहते हैं। उन्होंने शिक्षिका को अपने झांसे में लिया और यह गलत समाचार फैलाई।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने 11 मार्च को पत्र जारी कर हवेली खड़गपुर प्रखंड के एक विद्यालय में कार्यरत वरीय शिक्षिका से स्पष्टीकरण मांगा था। पत्र में बताया गया था कि ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपस्थिति समीक्षा के दौरान सेल्फी अटेंडेंस में जो ड्रेस है, वह अमर्यादित है। यह शिक्षिका की आचरण के हिसाब से ठीक नहीं है। इस मामले में वह अपना जवाब दें। ड्रेस पर मांगे गए इसी स्पष्टीकरण पर प्रारंभिक विद्यालय शिक्षक संघ के मुख्य संरक्षक अमित विक्रम ने आपत्ति जताई थी।

शिक्षिका ने दिया था शोकॉज का जवाब: वहीं, शोकॉज का जवाब देते हुए शिक्षिका ने कहा था कि उस समय ठंड का मौसम था। उन्होंने गर्म कपड़े पहने हुए थे। दुपट्टा सूट के साइड में था। उपस्थिति दर्ज करते समय दुपट्टा की तस्वीर स्पष्ट रूप से नहीं आयी होगी। उन्होंने खेद जताते हुए कहा कि वह भविष्य में सावधानी बरतेगी।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में दोषी को उम्रकैद, 20 हजार रुपये का जुर्माना

- कोटवा कांड में अदालत का सख्त फैसला, ठोस साक्ष्यों के आधार पर सुनाई सजा

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के चर्चित कोटवा थाना कांड संख्या-96/22 में स्थानीय न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। मामले की सुनवाई के दौरान अपर लोक अभियोजक नरुद्दीन अंसारी की प्रभावी पैरवी, पुलिस द्वारा प्रस्तुत ठोस साक्ष्य और चार्जशीट के आधार पर माननीय न्यायालय के न्यायाधीश अभिषेक आनंद ने अभियुक्त अमर सहनी को दोषी करार दिया। अदालत ने अभियुक्त अमर सहनी, पिता-चंद्रिका सहनी, निवासी बड़कुरवा, थाना-कोटवा, जिला-पूर्वी चंपारण को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए उस पर 20,000 का जुर्माना भी लगाया। सुनवाई के दौरान अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए साक्ष्य ठोस, पर्याप्त और दोष सिद्ध करने के लिए निर्णायक हैं। न्यायालय के इस फैसले को जिले में कानून के राज और अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। कानूनी जानकारों का मानना है कि यह निर्णय गंभीर मामलों में पुलिस अनुसंधान और प्रभावी पैरवी की अहमियत को भी रेखांकित करता है।

जहरीली स्प्रिट शराब के साथ तीन महिला तस्कर गिरफ्तार

तुरकौलिया में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 52 लीटर खतरनाक स्प्रिट बरामद

- विशेष अभियान जारी, शराब माफिया पर कसता शिकंजा

बीएनएम @ मोतिहारी/तुरकौलिया। पूर्वी चंपारण जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 05 अप्रैल 2026 को तुरकौलिया थाना कांड संख्या-182/26 के अंतर्गत की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं के कब्जे से 52 लीटर जहरीली स्प्रिट शराब बरामद की गई है, जो अत्यंत खतरनाक बताई जा रही है। बरामदगी के बाद पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान जिले में चल रहे अवैध शराब नेटवर्क के खिलाफ बड़ी मुहिम का हिस्सा है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों और सप्लाई चेन की भी जांच में जुट गई है। प्रशासन ने साफ संकेत दिया है कि जहरीली शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में ऐसे अभियानों को और तेज करने की तैयारी है।

एनएच-27 पर जानलेवा बाइक स्टंट, वायरल वीडियो मामले में युवक पर कार्रवाई

- डुमरियाघाट पुलिस ने बाइक जब्त की, आरोपी फरार
- सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करना पड़ा भारी, गिरफ्तारी को छापेमारी तेज

बीएनएम @मोतिहारी/डुमरियाघाट। राष्ट्रीय राजमार्ग NH-27 पर खतरनाक बाइक स्टंट कर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करना एक युवक को भारी पड़ गया। वायरल वीडियो के आधार पर हरकत में आई डुमरियाघाट थाना पुलिस ने स्टंट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली है, जबकि आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अभिषेक कुमार, पिता-विपिन राय, निवासी नवीन गांधी नगर, थाना-डुमरियाघाट, जिला-पूर्वी चंपारण द्वारा NH-27 पर जानलेवा स्टंट किया जा रहा था। इस दौरान स्टंट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया, जो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बाइक को जब्त कर लिया। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। हालांकि आरोपी युवक फिलहाल फरार बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे खतरनाक स्टंट से न केवल स्टंट करने वाले की जान जोखिम में पड़ती है, बल्कि सड़क से गुजर रहे अन्य लोगों की सुरक्षा भी खतरे में आ जाती है। इसलिए इस तरह के मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेहसी पैक्स चुनाव: पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए 17 और कार्यकारिणी के लिए 38 नामांकन, कटहां में सबसे अधिक दावेदार

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला के मेहसी प्रखंड क्षेत्र में होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। अध्यक्ष पद के लिए कुल 17 अभ्यर्थियों तथा कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 38 अभ्यर्थियों ने अपना नामांकन दाखिल किया। ज्ञात हो कि मेहसी प्रखंड के कुल 6 पैक्स में इस बार चुनाव होना है। पहले दिन विभिन्न पैक्सों में अध्यक्ष पद के लिए कई उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी पेश की। परतापुर पैक्स से अध्यक्ष पद के लिए पिंटू कुमार, प्रवीण कुमार, माला देवी और निर्मला देवी सहित कुल 5 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। वहीं कटहां पैक्स में सबसे अधिक 7 उम्मीदवारों—मुकेश कुमार, सुजीत कुमार, कुणाल किशोर, पिंकी देवी, प्रवीण कुमार, छोटेलाल राय और लखिन्द्र राय ने अध्यक्ष पद के लिए पर्चा दाखिल किया। भीमलपुर पैक्स से राकेश कुमार और राम एकवाल राय ने नामांकन किया, जबकि भुड़कुरवा पैक्स से निवर्तमान अध्यक्ष अमरजीत प्रसाद सिंह और अरुण कुमार ने अपनी दावेदारी पेश की। नोनिमल पैक्स में निवर्तमान अध्यक्ष ओम प्रकाश और जयकिशोर राय ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। वहीं आरओ -सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी पप्पू कुमार यादव ने बताया कि पहले दिन सबसे अधिक नामांकन कटहां पैक्स में हुआ है। वहीं परसौनी पैक्स से अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए एक भी नामांकन नहीं हुआ। नामांकन के पहले दिन ही बढ़ी सक्रियता से आगामी चुनाव को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

चमकी बुखार के लक्षणों की समय पर पहचान और इलाज जरूरी: डॉ. पंकज

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में चमकी बुखार (एईएस) एवं मस्तिष्क ज्वर (जेई) के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है और तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिला सदर अस्पताल स्थित जीएनएम भवन में जीएनएम, एएनएम, सीएचओ एवं स्टाफ नर्स सहित 85 स्वास्थ्यकर्मियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण सदर अस्पताल के पीकू इंचार्ज डॉ. पंकज, डॉ. फिरोज आलम, डॉ. मनीष एवं वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी रविंद्र कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान चिकित्सकों ने चमकी बुखार से पीड़ित बच्चों के त्वरित एवं समुचित उपचार, लक्षणों की पहचान, कारणों तथा बचाव के उपायों पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. पंकज ने कहा कि जैसे ही बच्चों में चमकी बुखार के लक्षण दिखाई दें, बिना देर किए उन्हें नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाना चाहिए। समय पर इलाज मिलने से गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के खान-पान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की अपील की। वहीं जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ओआरएस पाउडर और पैरासिटामोल की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। बीडीसीओ रविंद्र कुमार ने जानकारी दी कि 28 फरवरी को चिकित्सा पदाधिकारियों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि बच्चों को रात में खाली पेट न सुलाएं, समय-समय पर उन्हें मीठा खिलाएं और किसी भी समस्या पर तुरंत अस्पताल ले जाएं। सदर अस्पताल के पीकू वार्ड में 24 घंटे आपातकालीन इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

लक्षण एवं बचाव के उपाय:- चमकी बुखार के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, शरीर में कंपकंपी या चमकी, मानसिक संतुलन बिगड़ना और शरीर के किसी अंग में लकवा शामिल हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत आशा या एएनएम से संपर्क कर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सा परामर्श लेना चाहिए। बच्चों को तेज धूप से बचाएं, दिन में दो बार स्नान कराएं और रात में भरपेट भोजन कराकर ही सुलाएं। साथ ही उन्हें ओआरएस, नमक-चीनी घोल या नींबू पानी देते रहें।

आपातकालीन स्थिति में तुरंत लें सहायता:- स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में देरी न करें और तुरंत अस्पताल पहुंचें। निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा के लिए 102 तथा स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए 104 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। अभिभावकों को अंधविश्वास से दूर रहकर चिकित्सकीय सलाह लेने की सलाह दी गई है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. पंकज, डॉ. फिरोज आलम, रविंद्र कुमार, प्रेमलता कुमारी, धीरज कुमार सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

एम्बुलेटरी वाहन द्वारा पशु चिकित्सा शिविर में 254 पशुओं का किया गया निःशुल्क उपचार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला पशुपालन कार्यालय के निर्देशानुसार जिला के रक्सौल प्रखंड अंतर्गत सिसवा पंचायत के सिसवा बाजार ग्राम में एम्बुलेटरी वाहन के माध्यम से एक विशेष पशु चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन बुधवार को किया गया। इस शिविर का संचालन भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ओम प्रकाश कुमार (पलनवा) एवं डॉ. रवि रंजन राय (रक्सौल) द्वारा एमवीएचयू टीम के सहयोग से किया गया। इस शिविर में कुल 54 पशुपालकों ने भाग लिया, जिनके 254 बड़े एवं छोटे पशुओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही आवश्यक दवाओं का वितरण कर पशुओं के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर पशुपालकों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा मौसमी बीमारियों से पशुओं को सुरक्षित रखने हेतु आवश्यक सावधानियों और प्रबंधन के उपायों पर विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को सशक्त बनाने एवं पशुधन की सेहत सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

नवनिर्मित शिक्षा भवन का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

- 47.63 करोड़ की लागत से बना है शिक्षा भवन
- शिक्षा भवन में संचालित होंगे शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारी के कार्यालय

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा बुधवार को शहर के बेलीसराय में नवनिर्मित शिक्षा भवन का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के समय नगर आयुक्त आशीष कुमार, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी सहित शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी के द्वारा बताया गया कि शिक्षा भवन का निर्माण कार्य कुल 47.63 करोड़ की लागत से कराया गया है। इसके लिए कृष्ण मुरारी कंस्ट्रक्शन को कार्यादेश दिया गया था। 30.09.2023 को दिए गए कार्यादेश के अनुसार कुल 15 माह में इस भवन को पूरा किया जाना था। भवन के पूर्ण होने का समय 29.12. 2024 निर्धारित था, लेकिन शिक्षा विभाग के कार्यालय परिसर में कुछ पुराने भवन को लेकर कार्य में थोड़ा विलंब हुआ है। जिलाधिकारी के पूछने पर बताया गया कि शिक्षा भवन का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और माह अप्रैल में ही इसका हैंड ओवर कर लिया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि इस भवन के बन जाने से जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित सभी कार्यक्रम पदाधिकारी का कार्यालय एक ही भवन के अंदर संचालित हो सकेगा। इसमें जिला शिक्षा पदाधिकारी का कार्यालय, डीपीओ स्थापना, डीपीओ माध्यमिक शिक्षा, डीपीओ लेखा एवं योजना, डीपीओ समग्र शिक्षा एवं डीपीओ मध्यान भोजन सभी के कार्यालय यहीं से संचालित किए जाएंगे। जिलाधिकारी के द्वारा भवन का निरीक्षण करने के पश्चात निर्देश दिया गया कि अगले 15 दिनों के अंदर इस भवन को हस्तांतरित कर लिया जाए एवं शीघ्र ही यहां पर सभी अधिकारियों के कार्यालय सुचारू रूप से संचालित किए जाएं।

ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन का 12 व 13 अप्रैल को पटना में होगा 6वां केंद्रीय महाधिवेशन

- रेलकर्मियों के अधिकारों पर होगी निर्णायक चर्चा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन द्वारा आगामी 12 व 13 अप्रैल 2026 को राजधानी के पटना स्थित विद्यापति भवन में 6वां केंद्रीय महाधिवेशन आयोजित किया जाएगा। इस महाधिवेशन को ऐतिहासिक बनाने हेतु सभी जोन में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विशेषकर जिला के रक्सौल क्षेत्र में रेलकर्मियों को सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं यूनियन के केंद्रीय संयुक्त महासचिव रत्नेश वर्मा ने बताया कि यह महाधिवेशन रेलवे कर्मचारियों के अधिकारों और हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णायक लड़ाई का मंच बनेगा। कार्यक्रम के तहत 12 अप्रैल को खुला सत्र एवं 13 अप्रैल को डेलिगेशन सत्र आयोजित किया जाएगा। महाधिवेशन में प्रमुख रूप से नई श्रम नीति, नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) एवं यूपीएस का विरोध, पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली, निजीकरण/निगमीकरण पर रोक, बोनस नीति में सुधार, ड्यूटी रोस्टर लागू करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। श्री वर्मा ने कहा कि कर्मचारियों के अधिकार जैसे पेंशन, वेतन वृद्धि, बोनस आदि मांगने की वस्तु नहीं, बल्कि उनका अधिकार हैं जिन्हें सरकार को स्वतः लागू करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नई श्रम नीतियों और लेबर कोड के माध्यम से मजदूरों के हितों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उक्त महाधिवेशन के प्रमुख मुद्दों जिसमें-चारों नए लेबर कोड को समाप्त करने की मांग, एनपीएस/यूपीएस खत्म कर ओपीएस लागू करना, रेलवे में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती, निजीकरण एवं आउटसोर्सिंग पर रोक, समान काम के लिए समान वेतन, 8वें वेतन आयोग में 3.5 फिटमेंट फैक्टर लागू करना, 8 घंटे का ड्यूटी रोस्टर सुनिश्चित करना, रेलकर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण एवं बीमा व्यवस्था, रेलवे अस्पताल, आवास एवं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, ट्रांसफर नीति में पारदर्शिता एवं अफसरशाही पर रोक शामिल है। वहीं यूनियन ने सभी रेलकर्मियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पटना पहुंचकर इस महाधिवेशन को सफल बनाएं, ताकि मजदूर हितों की रक्षा के लिए एक मजबूत आवाज उठाई जा सके। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यूनियन के केंद्रीय संयुक्त महासचिव रत्नेश वर्मा द्वारा दी गई है।

राम मंदिर पेंटिंग से बिहार का नाम रोशन, युवा कलाकार अनिकेत अग्रहरी को राज्यपाल का सम्मान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के युवा चित्रकार अनिकेत अग्रहरी ने अपनी अद्भुत कला प्रतिभा के दम पर न केवल मोतिहारी बल्कि पूरे बिहार का नाम गौरवान्वित किया है। बचपन से ही चित्रकला के प्रति गहरी रुचि रखने वाले अनिकेत ने अपने समर्पण और निरंतर अभ्यास से कला के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। विगत 7 अप्रैल को पटना स्थित लोक भवन में अनिकेत अग्रहरी ने बिहार के महामहिम राज्यपाल सैयद अता हसनैन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीराम की अपनी बनाई एक आकर्षक पेंटिंग, एक पोर्ट्रेट तथा एक मैगज़ीन भेंट स्वरूप प्रस्तुत की। राज्यपाल ने अनिकेत की कलात्मक क्षमता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने अनिकेत की पेंटिंग को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और एक्स (ट्विटर) पर साझा कर उन्हें शुभकामनाएं दीं, जिससे उनकी कला को व्यापक पहचान मिली। अनिकेत की इस उल्लेखनीय उपलब्धि की प्रशंसा देश के कई प्रमुख नेताओं ने भी की है, जिनमें राजनाथ सिंह, मनोज सिन्हा, आनंदीबेन पटेल, योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य सहित अन्य का नाम शामिल हैं। अनिकेत की सफलता यह सिद्ध करती है कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

मोतिहारी में 15 से 30 अप्रैल तक चलेगा व्यापक विद्यालय निरीक्षण अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के सभी सरकारी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक व्यापक निरीक्षण एवं अनुश्रवण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, वर्ग कक्ष, चाहरदीवारी, विद्युत व्यवस्था, पंखा-बल्ब, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, जिम, आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास जैसी आवश्यक सुविधाओं की गहन जांच की जाएगी। इसके साथ ही छात्रों को पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मध्याह्न भोजन योजना, प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा, लाभुक आधारित योजनाओं के क्रियान्वयन तथा शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की स्थिति का भी मूल्यांकन किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में विद्यालयों को विभिन्न मदों में आवंटित राशि के व्यय एवं क्रय की गई सामग्रियों की गुणवत्ता की भी समीक्षा की जाएगी। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार 06 अप्रैल 2026 से सभी विद्यालय प्रातःकालीन सत्र में सुबह 06:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। प्रतिनियुक्त निरीक्षी पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित समयावधि में आवंटित विद्यालयों का निरीक्षण कर प्रतिदिन शाम 05:00 बजे तक अपना प्रतिवेदन गोपनीय शाखा में जमा करें। साथ ही वे अन्य निरीक्षी पदाधिकारियों के कार्यों का भी अनुश्रवण सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों के सुधार हेतु प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी स्तर पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी तथा जटिल मामलों को जिला स्तर पर भेजा जाएगा। इसी क्रम में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी ने बुधवार को सदर प्रखंड मोतिहारी स्थित गौरी शंकर विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद स्थापित किया और पढ़ाई, विद्यालयीय सुविधाओं एवं उनकी आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं सहायक समाहर्ता प्रिया रानी भी उपस्थित रहीं।

मेहसी में बड़ी कार्रवाई: दो अवैध नर्सिंग होम और एक अल्ट्रासाउंड केंद्र सील

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के चकिया एसडीओ शिवानी शुभम के नेतृत्व में मेहसी क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अवैध नर्सिंग होम और एक अल्ट्रासाउंड क्लिनिक को सील कर दिया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर औचक निरीक्षण के दौरान की गई। उक्त छापेमारी के क्रम में बस स्टैंड स्थित अमित क्लिनिक, आदर्श सेवा सदन (दीपक क्लिनिक) तथा प्रियंका अल्ट्रासाउंड केंद्र की जांच की गई। जांच के दौरान नर्सिंग होम में कई ऐसे चिकित्सीय उपकरण एवं दवाएं पाई गईं, जिनका कोई वैध निबंधन नहीं था। प्रशासन ने सभी आपत्तिजनक सामग्री को जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं आदर्श सेवा सदन (दीपक क्लिनिक) में बिना निबंधन 19 बेड, दवा दुकान, शल्य चिकित्सा उपकरण सहित अन्य अवैध सामग्री बरामद की गई। वहीं अमित क्लिनिक में भी बिना निबंधन दवा दुकान, बेड एवं ऑपरेशन से संबंधित उपकरण पाए गए। सबसे गंभीर मामला प्रियंका अल्ट्रासाउंड केंद्र में सामने आया, जहां बिना चिकित्सक के एक सामान्य व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड किया जा रहा था। छापेमारी की सूचना फैलते ही क्षेत्र के कई अन्य अवैध नर्सिंग होम के संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर फरार हो गए। हालांकि इस दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी पप्पू कुमार यादव एवं थानाध्यक्ष शानू गौरव ने बताया कि तीनों संस्थानों को सील करते हुए संचालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रूप से संचालित स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी-बाइक की टक्कर में 60 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल, बेहतर इलाज के लिए रेफर

बीएनएम @ पताही। प्रखंड क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में 60 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोकाने पट्टी निवासी राम सहाय राय (पिता- भुवनेश्वर राय, उम्र लगभग 60 वर्ष) अपनी स्कूटी से पकड़ीदयाल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पट्टी बोकाने मंदिर के पास एक बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राम सहायक राय गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया। घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, वहीं परिजन उनकी स्थिति को लेकर चिंतित हैं।

पटना में पोस्टर पॉलिटिक्स तेज, नीतीश-निशांत के नारे से बढ़ी सियासी हलचल

बीएनएम @पटना। बिहार की राजनीति में उत्तराधिकार को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच जदयू नेता नीरज कुमार के आवास पर लगा एक पोस्टर नई बहस छेड़ गया है। इस पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके पुत्र निशांत कुमार की तस्वीरों के साथ "छप्प्भ् छप्भ्।छज्" का नारा प्रमुखता से लिखा गया है। पोस्टर में जनता दल (यूनाइटेड) का चुनाव चिह्न 'तीर' भी दर्शाया गया है, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि पार्टी के भीतर नए नेतृत्व को लेकर माहौल बनाया जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब हाल ही में निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ली है और पार्टी में उनकी भूमिका को लेकर अटकलें तेज हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि जदयू में नीतीश कुमार के बाद नेतृत्व कौन संभालेगा। ऐसे में इस पोस्टर को संभावित उत्तराधिकारी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नीरज कुमार पहले भी सार्वजनिक रूप से यह कह चुके हैं कि पार्टी का भविष्य निशांत कुमार के हाथों में सुरक्षित है। हालांकि, निशांत कुमार ने अभी तक कोई औपचारिक पद नहीं संभाला है, लेकिन हाल के दिनों में उनकी सक्रियता और सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ी है। इसे उनके राजनीतिक प्रवेश के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश-निशांत जैसे नारों के जरिए पार्टी के भीतर और समर्थकों के बीच एक नई राजनीतिक धारा तैयार करने की कोशिश हो रही है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि निशांत कुमार किस तरह सक्रिय राजनीति में अपनी भूमिका तय करते हैं और जदयू की दिशा क्या होती है।

राज्यसभा के बाद बिहार में नई सरकार की चर्चा तेज

बीएनएम @ पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद बिहार की राजनीति में नई हलचल तेज हो गई है। सत्ता परिवर्तन और नई सरकार के गठन को लेकर अटकलें तेज हैं। इस बीच जदयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री विजय कुमार चौधरी के बयान ने चर्चाओं को और हवा दे दी है। विजय चौधरी ने स्पष्ट किया कि नीतीश कुमार का राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण तय कार्यक्रम के अनुसार होगा। इसके बाद ही आगे की राजनीतिक प्रक्रिया और संभावित बदलावों पर निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार 12 अप्रैल के आसपास राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ले सकते हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि शपथ के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं, जिससे बिहार में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ होगा। एनडीए के पास विधानसभा में बहुमत होने के कारण नेतृत्व परिवर्तन आसान माना जा रहा है। कुछ चर्चाओं में भाजपा के मुख्यमंत्री बनने की संभावना भी जताई जा रही है, हालांकि इस पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब खरमास की अवधि समाप्त होने के बाद नई सरकार के गठन को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि ऐसा होता है तो यह बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव होगा और सत्ता के समीकरण नए सिरे से तय होंगे। फिलहाल सभी की नजरें नीतीश कुमार के अगले कदम पर टिकी हैं, क्योंकि उनके निर्णय से ही राज्य की राजनीतिक दिशा तय होगी।

एएसआई व वार्ड पार्षद के बीच धक्का-मुक्की का वीडियो वायरल

बीएनएम @गयाजी। शहर के रामपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात एएसआई अश्विनी विक्रम कुमार पासवान और वार्ड पार्षद कलाम कुरैशी के बीच कथित धक्का-मुक्की का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना गेवाल बीघा के पास एक चाय की दुकान पर हुई, जहां किसी बात को लेकर एएसआई और वार्ड पार्षद के बीच विवाद हो गया। वायरल वीडियो में दोनों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की होती दिखाई दे रही है। हालांकि, वीडियो की पूरी सच्चाई और विवाद की शुरुआत कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वार्ड पार्षद कलाम कुरैशी ने एएसआई पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी ने अपनी वर्दी का दुरुपयोग किया और उनके साथ मारपीट की। उनका आरोप है कि एएसआई ने न सिर्फ उनके साथ हाथापाई की, बल्कि बाद में अपने पद और प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया। कलाम कुरैशी ने यह भी कहा कि जाति का गलत इस्तेमाल कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की गई है, जो पूरी तरह से गलत है। उन्होंने इस मामले को लोकतांत्रिक व्यवस्था और आम जनता के अधिकारों पर हमला बताया। वार्ड पार्षद ने गया के एसएसपी से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में एएसआई दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने अपने ऊपर दर्ज कथित "झूठे केस" को समाप्त करने की भी मांग उठाई है।

यूडीआईडी के लिए 71 दिव्यांगों ने किया आवेदन

बीएनएम @बेतिया। पश्चिम चंपारण के लौरिया प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को दिव्यांगजनों के लिए विशेष एकदिवसीय शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लाभुकों ने भाग लिया। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में कुल 71 दिव्यांगजनों ने यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर के दौरान नए आवेदनों का पंजीकरण किया गया और सभी अभ्यर्थियों की चिकित्सकीय जांच कर कार्ड निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई। लौरिया अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने एक-एक आवेदक का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। जांच के बाद पात्र व्यक्तियों के प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि सरकार का लक्ष्य हर दिव्यांगजन को एकीकृत पहचान उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। शिविर को सफल बनाने में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की टीम के साथ कार्यपालक सहायक सीखा राज, विकास मित्र अशोक राम एवं रमेश राम सहित अन्य स्थानीय कर्मियों की सक्रिय भूमिका रही।

दो गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बीएनएम @ बगहा। बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना पुलिस ने असामाजिक तत्वों के साथ ही नशेड़ियों और वारंटियों के विरुद्ध काफी सख्त है। तथा लगातार छापेमारी अभियान चला रखा है। मंगलवार की शाम चौतरवा थाना पुलिस ने छापेमारी अभियान चला कर एक नशेड़ी और एक वारंटी को गिरफ्तार किया है। चौतरवा थानाध्यक्ष शुभम कुमार ने बताया कि शराब की नशे में एक नशेड़ी को गिरफ्तार किया गया है, तथा एक वारंटी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नशेड़ी की पहचान रामनगर के सुरज कुमार साह है, जो पतिलार कारखाना टोला गांव में शराब पीकर अपने ससुराल में हो हल्ला कर रहा था। वहीं पुलिस ने छापेमारी के दौरान दुसाधीपट्टी गांव से वारंटी ललन पासवान को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपितों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा गया।

हरसिद्धि में सैकड़ों ऑर्केस्ट्रा ग्रुप सक्रिय, छापेमारी के बावजूद नहीं थम रहा नेटवर्क

» बाजार से लेकर गांव तक फैला दायरा, कार्रवाई के बाद फिर शुरू हो रही गतिविधियां

बीएनएम @ मोतिहारी @ राकेश कुमार

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में इन दिनों सैकड़ों ऑर्केस्ट्रा ग्रुपों की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। क्षेत्र के कई बाजारों और गांवों में इनका नेटवर्क तेजी से फैलता दिख रहा है। प्रशासनिक स्तर पर समय-समय पर छापेमारी और जांच की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि कार्रवाई के बाद भी गतिविधियां दोबारा शुरू हो जाती हैं। जानकारी के अनुसार हरसिद्धि बाजार, शीतल बाजार, गोबिंदापुर, घिउवाढार, सेवराहा, ओलहा, मेहता टोला और मानिकपुर समेत कई इलाकों में रात के समय इन ग्रुपों की मौजूदगी अधिक देखी जा रही है। शादी-विवाह, मेलों और अन्य आयोजनों के दौरान इनकी मांग बढ़ जाती है, जिससे इनका दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार छापेमारी के दौरान कुछ स्थानों पर कार्यक्रमों को रोका भी गया, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से गतिविधियां सामान्य रूप से शुरू हो गईं। यही वजह है कि क्षेत्र में इस नेटवर्क के लगातार बने रहने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सामाजिक दृष्टि से भी इस विषय को गंभीर माना जा रहा है। अभिभावकों और जागरूक लोगों का कहना है कि देर रात तक चलने वाले ऐसे आयोजनों का असर युवाओं पर पड़ सकता है, इसलिए इस पर संतुलित और प्रभावी निगरानी जरूरी है। प्रशासनिक स्तर पर यदि नियमित निगरानी और निरंतर कार्रवाई होती रहे, तो क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण संभव माना जा रहा है।

औरंगाबाद में तालाबनुमा गड्ढे में डूबे भाई-बहन, खेलते समय हुआ दर्दनाक हादसा

बीएनएम @ औरंगाबाद

औरंगाबाद। मदनपुर थाना क्षेत्र के उमंगा टोले वरक्षीवीर गांव में एक दर्दनाक हादसे में मासूम भाई-बहन की डूबने से मौत हो गई। घटना गांव के उत्तर स्थित एक तालाबनुमा गड्ढे में हुई, जहां खेलते समय दोनों बच्चे अचानक पानी में गिर गए। मृतकों की पहचान नालंदा निवासी विक्की सिंह की 5 वर्षीय पुत्री वैष्णवी कुमारी और ढाई वर्षीय पुत्र रंजन कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विक्की सिंह पिछले कुछ वर्षों से अपने ससुराल में रहकर छोटे स्तर पर गोलगप्पे की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों बच्चे घर के पास ही खेल रहे थे, तभी अनजाने में गड्ढे में गिर गए। देर शाम तक जब बच्चे नहीं मिले तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। रातभर खोजबीन के बाद बुधवार सुबह दोनों के शव उसी गड्ढे से बरामद किए गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, खासकर मां पलक देवी गहरे सदमे में हैं। गांव के लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश भी देखा जा रहा है।

हरसिद्धि में नवनियुक्त थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने संभाला पदभार

» कानून-व्यवस्था पहली प्राथमिकता, अपराध और अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई के संकेत

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना में नव पदस्थापित थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए शांति, सुरक्षा और अपराध नियंत्रण के लिए सख्त रुख अपनाने का संकेत दिया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद थानाध्यक्ष ने थाना के पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने गश्ती व्यवस्था को और मजबूत करने, संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखने तथा अपराध नियंत्रण को लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में नियमित गश्ती बढ़ाने और त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया प्रणाली को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। राज्य में लागू शराबबंदी कानून के सख्ती से पालन को लेकर भी उन्होंने विशेष निर्देश दिए। थानाध्यक्ष ने कहा कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने आम लोगों के साथ पुलिस के बेहतर संबंध स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई। कहा कि थाना आने वाले हर व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना जाएगा और उसके त्वरित समाधान का प्रयास होगा। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने भरोसा दिलाया कि वे 24 घंटे जनता की सेवा के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अपराध या असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

पंचायती राज योजनाओं की व्यापक समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन पर मंत्री दीपक प्रकाश का जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने नगर के समाहरणालय स्थित राजेंद्र भवन सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा बैठक की। उक्त बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता (एल.ए.ई.ओ, बीसीडी), एसीओ जिला परिषद तथा सभी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी (बीपीआरओ) उपस्थित रहे। इस समीक्षा के दौरान मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के अंतर्गत स्थापित सभी सोलर लाइटों को शत-प्रतिशत कार्यशील बनाया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। साथ ही पंचायत सरकार भवनों के निर्माण कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। त्रिस्तरीय पंचायत संस्थाओं- जिला परिषद, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत—द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति पर भी गंभीरता से चर्चा हुई। मंत्री ने योजनाओं के शीघ्र निष्पादन के साथ-साथ व्यय प्रतिशत में वृद्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिससे विकास कार्यों में गति लाई जा सके। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना, मोक्षधाम निर्माण, उपयोगिता प्रमाण पत्र, आरटीपीएस सेवाएँ, ई-ग्राम कचहरी, जिला परिषद की आय के स्रोत तथा जिला पंचायत संसाधन केंद्र में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में पंचायती राज विभाग के ओएसडी गोपाल शरण, सोलर स्ट्रीट लाइट से संबंधित सभी एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा बिहार विकास मिशन के जिला समन्वय (आधारभूत संरचना) ओमप्रकाश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के उपरांत मंत्री दीपक प्रकाश ने बापू सभागार में जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित कर जमीनी स्तर की समस्याओं एवं सुझावों पर भी विचार-विमर्श किया।

मुंबई में चमका पताही का 'विशाल' जादू

बिहार ब्लास्टर्स ने जीता एक करोड़ का प्रेसिडेंट कप, चार विकेट लेकर विशाल बने फाइनल के नायक

बीएनएम @ पताही/मुंबई

पताही/मुंबई। पूर्वी चंपारण जिले के पताही प्रखंड अंतर्गत बखरी पंचायत के चम्पापुर गांव के युवा खिलाड़ी विशाल सिंह ने मुंबई में आयोजित प्रेसिडेंट कप 2026 में शानदार प्रदर्शन कर जिले और पूरे बिहार का नाम रोशन किया है। फाइनल मुकाबले में उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत बिहार ब्लास्टर्स ने खिताब अपने नाम करते हुए एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि हासिल की। मुंबई के ठाणे स्थित दादोजी कोंडदेव स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में बिहार ब्लास्टर्स ने शुरू से ही दमदार खेल दिखाया। मैच के सबसे अहम क्षणों में विशाल सिंह ने अपनी सटीक और धारदार गेंदबाजी से विपक्षी टीम की बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त करते हुए चार महत्वपूर्ण विकेट झटक लिए। उनके इस शानदार प्रदर्शन से प्रतिद्वंद्वी टीम दबाव में आ गई और बिहार ब्लास्टर्स ने आसानी से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशाल सिंह को 'मैन ऑफ द मैच' के सम्मान से नवाजा गया। जैसे ही टीम ने जीत दर्ज की, मैदान में जश्न का माहौल बन गया और बिहार के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समापन समारोह में बॉलीवुड अभिनेता Sanjay Dutt और Suniel Shetty विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों कलाकारों ने विशाल सिंह के शानदार खेल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं प्रसिद्ध तालवादक Shivamani की प्रस्तुति ने समारोह को और भव्य बना दिया। विशाल सिंह केवल खेल के मैदान में ही नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी मिसाल हैं। वे बी.एससी. नर्सिंग की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं। खेल और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी यह दोहरी उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत बन रही है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उनके पिता रामबहादुर सिंह, परिवार के अन्य सदस्यों तथा पूरे चम्पापुर गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे पताही प्रखंड ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए सम्मान और गौरव का क्षण बताया है।

आज 'ज्योतिषस्य व्यावहारिकं ज्ञानम्' विषय पर एकल व्याख्यान

बीएनएम @ दरभंगा

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग और डॉ प्रभात दास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 9 अप्रैल को एक विशेष एकल व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम पीजी संस्कृत विभाग में अपराह्न 1:30 बजे से आयोजित होगा। इस व्याख्यान का विषय "ज्योतिषस्य व्यावहारिकं ज्ञानम रखा गया है, जिसमें कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ कुणाल कुमार झा मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखेंगे। बैठक में फाउंडेशन के सचिव मुकेश कुमार झा, संयोजक डॉ आर एन चौरसिया, डॉ ममता स्नेही, डॉ मोना शर्मा, डॉ बाल कृष्ण कुमार सिंह सहित कई प्राध्यापक, शोधार्थी और छात्र उपस्थित रहे। फाउंडेशन के सचिव मुकेश कुमार झा ने जानकारी दी कि कार्यक्रम निःशुल्क है और इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया

बगहा में बदला मौसम का मिजाज, हल्की बूंदाबांदी से किसानों की बढ़ी चिंता

बीएनएम @ बगहा

बगहा। बगहा में बुधवार सुबह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए हैं और बीच-बीच में हल्की बूंदाबांदी हो रही है। कुछ समय के लिए बारिश तेज भी हुई, जिससे कई जगह सड़कों पर कीचड़युक्त पानी जमा हो गया। मौसम में आए इस बदलाव का असर पूरे अनुमंडल क्षेत्र में देखा जा रहा है। बगहा के सातों प्रखंडों बगहा एक, बगहा दो, रामनगर, मधुबनी, भितहां, पिपरासी और ठकरहा में दिनभर बादल छाए रहने की स्थिति बनी हुई है। कई इलाकों में सुबह से ही हल्की बारिश जारी रही, जिससे लोगों की दैनिक गतिविधियों पर भी असर पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों की कच्ची सड़कों पर फिसलन बढ़ गई है और आने-जाने में परेशानी हो रही है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि बगहा में पूरे दिन बारिश की संभावना बनी रह सकती है। विभाग के अनुसार रात के समय भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। हालांकि गुरुवार से मौसम साफ होने की संभावना जताई गई है। मौसम के इस बदले स्वरूप से किसानों की चिंता बढ़ गई है। क्षेत्र में गेहूं की फसल पककर तैयार है और कई खेतों में कटाई का काम चल रहा है। किसानों को डर है कि लगातार बारिश होने पर खेत में खड़ी फसल को नुकसान पहुंच सकता है। अधिक नमी के कारण कटाई और मड़ाई का काम भी प्रभावित हो सकता है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश लंबी चली तो गेहूं की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। फिलहाल किसान मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सीमा से सटे शराब तस्करी रोकने के लिए बढ़ी चौकसी

यूपी से शराब तस्करी की कोशिश नाकाम, 80 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

बीएनएम @ बगहा

बगहा। बगहा पुलिस जिले के पिपरासी थाना क्षेत्र में शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। यूपी सीमा से सटे दियारा क्षेत्र में छापेमारी के दौरान पुलिस ने 80 लीटर अंग्रेजी शराब और एक बाइक जब्त की है। हालांकि, बाइक सवार अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी के निर्देश पर शराब और शराब कारोबारियों के खिलाफ लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पिपरासी थाना अध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में सोमवार रात सौरहा पंचायत के भिलोरवा टोला दियारा में छापेमारी की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि यूपी से शराब की खेप बाइक के जरिए लाई जा रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध बाइक को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखते ही बाइक चालक वाहन छोड़कर अंधेरे में फरार हो गया। तलाशी लेने पर बाइक पर रखे बोरे से 80 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। मौके से बरामद बाइक एचएफ डीलक्स बताई गई है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि फरार शराब कारोबारी की पहचान कर ली गई है। बाइक मालिक के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यूपी सीमा से जुड़े क्षेत्रों में शराब तस्करी रोकने के लिए लगातार निगरानी बढ़ाई गई है और ऐसे कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल

हालिया घटनाओं से एचडीएफसी बैंक की पारदर्शिता पर गहरे सवाल उठे हैं। चेयरमैन के इस्तीफे और तीन अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद लोगों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

अंदेशा है कि मार्केट कैपिटलाइजेशन, ग्राहक आधार, और शाखा नेटवर्क के लिहाज़ से भारत में प्राइवेट सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी की साख पर उठे सवाल देश की वित्तीय अर्थव्यवस्था पर दूरगामी असर छोड़ सकते हैं। इसलिए इस बारे में पूरी पारदर्शिता बरतते हुए बैंक के सभी हितधारकों सहित पूरे देश को भरोसे में लिया जाना चाहिए। इस समय जबकि देश अंदरूनी एवं अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मुकाबिल है, बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी एक अतिरिक्त समस्या का बोझ उठाने की स्थिति में वह नहीं होगा। बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने पिछले हफ्ते अपने पद से इस्तीफा देते हुए कहा कि इस संस्था के अंदर देखी गई कुछ "प्रथा और घटनाएं" उनकी अपनी व्यक्तिगत नैतिकता से मेल नहीं खातीं। हालांकि उन्होंने बैंक के भीतर कोई ठोस समस्या होने से इनकार किया और फुर्ती दिखाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की, मगर बाद की घटनाओं से साफ है कि उससे बात नहीं बनी है। "नैतिक" कारणों से चेयरमैन के इस्तीफा देने से साफ संकेत मिला कि बैंक का संचालन सही तरीके से नहीं हो रहा है। फिर दो दिन बाद ही बैंक ने अपने तीन वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया। उन पर एटी-1 बॉन्ड्स की अनुचित ढंग से बिक्री का आरोप लगाया गया है। मतलब यह कि जो बॉन्ड सुरक्षित निवेश बताकर बेचे गए, वे बाद में जोखिम भरे साबित हुए। एटी-1 उच्च जोखिम वाले बॉन्ड होते हैं, जिन्हें बैंकों की पूंजी संरचना मजबूत करने के लिए जारी किया जाता है। फिर इस घटनाक्रम के दौरान इस ओर भी ध्यान गया है कि बैंक में पिछले दो वर्षों में कम-से-कम छह वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफा दिया या बैंक से उनका संबंध विच्छेद हुआ। स्पष्टतः ये घटनाएं बैंक की पारदर्शिता पर सवाल उठाती है। इसीलिए चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद से बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट दर्ज की गई। तो साफ है कि निवेशकों सहित अन्य हितधारकों के मन में अनेक संदेह तैर रहे हैं। इन्हें दूर करने का विश्वसनीय प्रयास अविलंब किया जाना चाहिए।

जनादेश 2026- विधानसभा चुनावों में लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा और सत्ता के नए समीकरण

योगेश कुमार गोयल

- सियासी रण में पांच राज्यः सत्ता की कुर्सी किसके नाम?

पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों ने देश की राजनीति को उबाल पर ला दिया है। केरल से लेकर असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी तक सियासी हलचल अपने चरम पर है। रैलियों की गूंज, वादों की बरसात और आरोप-प्रत्यारोप के तीखे तीरों के बीच लोकतंत्र का यह उत्सव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। हर राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडे, घोषणापत्र और रणनीति के साथ मैदान में है और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस बार का चुनाव केवल सत्ता बनाने का साधन नहीं बल्कि बीते पांच वर्षों के कामकाज का जनमत संग्रह और आने वाले राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण है।

इन पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। ये केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक रणक्षेत्र है, जो राष्ट्रीय राजनीति की धुरी को प्रभावित कर सकता है। चुनाव कार्यक्रम भी बेहद दिलचस्प है, असम, केरल और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को और पश्चिम बंगाल में दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 मई को घोषित होंगे और उसी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसके पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया। इस बार का चुनावी परिदृश्य कई स्तरों पर जटिल और बहुआयामी है। सत्ताधारी दल जहां अपने विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और 'डबल इंजन' जैसे नारों के सहारे जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक असमानता और प्रशासनिक खामियों को मुद्दा बनाकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। यह संघर्ष अब केवल सत्ता का नहीं रहा बल्कि विचारधारा, नीतियों और विकास के मॉडलों की प्रतिस्पर्धा में बदल चुका है।

सबसे अधिक चर्चा का केंद्र बना हुआ है पश्चिम बंगाल, जहां राजनीतिक तापमान सबसे ज्यादा है। 294 सीटों वाली विधानसभा में 6.44 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता पर कब्जा बनाए रखा था जबकि भाजपा ने मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस बार मुकाबला और अधिक तीखा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस अपने 'बंगाल मॉडल', महिला सशक्तिकरण योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के साथ मैदान में है, वहीं भाजपा 'डबल इंजन' सरकार के वादे और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रही है। रोजगार, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दे भी चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यहां मुकाबला बेहद कांटे का होगा, एक तरफ ममता बनर्जी की राजनीतिक विरासत दांव पर है तो दूसरी ओर भाजपा के लिए यह पूर्वी भारत में विस्तार का सुनहरा अवसर है।

असम का चुनाव भी कम दिलचस्प नहीं है। 126 सीटों वाली विधानसभा में 2.25 करोड़ मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यहां मुख्य सवाल यही है कि क्या भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी कर पाएगी या कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वापसी का रास्ता तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा विकास, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर जनता के बीच है। वहीं विपक्ष सीएए-एनआरसी, बेरोजगारी और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सक्रियता ने इस चुनाव को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। असम में परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पूर्वोत्तर भारत में शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेंगे।

दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल की राजनीति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का प्रभाव इतना गहरा है कि राष्ट्रीय दलों की भूमिका सीमित हो जाती है। 234 सीटों वाली विधानसभा में 5.67 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। पिछले चुनाव में डीएमके गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपने 'द्रविड़ मॉडल', सामाजिक न्याय और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर मैदान में है। वहीं एआईएडीएमके गठबंधन महंगाई, बिजली संकट और स्थानीय मुद्दों को लेकर सरकार पर हमला बोल रहा है। इसके अलावा अभिनेता विजय की पार्टी का चुनावी मैदान में उतरना एक नया समीकरण बना सकता है, खासकर युवा मतदाताओं के बीच।

केरल में 140 सीटों के लिए 2.7 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। यहां का चुनाव पारंपरिक रूप से सत्ता परिवर्तन के लिए जाना जाता रहा है लेकिन पिछले चुनाव में वाम मोर्चे ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया था। इस बार यदि वह तीसरी बार सत्ता में आता है तो यह एक नया राजनीतिक अध्याय होगा। वाम मोर्चा अपने स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के मॉडल को प्रमुखता दे रहा है जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर हमलावर है। भाजपा भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश में है, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होता जा रहा है।

पुदुचेरी भले ही छोटा केंद्र शासित प्रदेश हो, लेकिन यहां की राजनीति बेहद संवेदनशील और निर्णायक है। 30 सीटों वाली विधानसभा में 9.44 लाख मतदाता मतदान करेंगे। यहां गठबंधन राजनीति का महत्व सबसे अधिक है, जहां छोटे-छोटे वोट अंतर भी सत्ता की दिशा तय कर सकते हैं। पिछले चुनाव में एनडीए गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस और क्षेत्रीय दल सत्ता वापसी के लिए संघर्षरत हैं। इन सभी राज्यों में एक समान बात यह है कि वोट प्रतिशत और सीटों का समीकरण हमेशा सीधा नहीं होता। कई बार मामूली वोट अंतर भी भारी सीट अंतर में बदल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल बूथ स्तर तक अपनी रणनीति को मजबूत कर रहे हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार ने चुनावी अभियान को एक नई दिशा दी है, जहां नैरेटिव की लड़ाई केवल मैदान में नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी लड़ी जा रही है।

चुनावी मुद्दों की बात करें तो इस बार कोई एक मुद्दा हावी नहीं है। रोजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि संकट और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रूप में सामने आ रहे हैं। यही विविधता इन चुनावों को और अधिक जटिल और रोचक बनाती है। राजनीतिक दृष्टि से इन चुनावों को 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। इन राज्यों से आने वाली 116 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यदि भाजपा असम में अपनी पकड़ बनाए रखती है, पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन करती है और दक्षिण भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करती है, तो उसकी राष्ट्रीय स्थिति और सुदृढ़ हो सकती है। वहीं, यदि तृणमूल कांग्रेस बंगाल में अपनी सत्ता बरकरार रखती है तो ममता बनर्जी विपक्षी राजनीति की प्रमुख धुरी बनी रह सकती हैं। केरल में वाम मोर्चे की जीत वामपंथी राजनीति के लिए नई ऊर्जा लेकर आएगी जबकि तमिलनाडु में डीएमके की निरंतरता द्रविड़ राजनीति की दिशा तय करेगी।

कुल मिलाकर, यह चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला नहीं बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा है। मतदाता इस बार खामोश जरूर हैं लेकिन उनकी चुप्पी के भीतर गहराई से सोच-विचार और निर्णय की प्रक्रिया चल रही है। 4 मई को जब परिणाम सामने आएंगे, तभी यह स्पष्ट होगा कि किसने जनता की अपेक्षाओं को समझा और किसे आत्ममंथन की आवश्यकता है। लोकतंत्र का यह महापर्व एक बार फिर यह सिद्ध करने जा रहा है कि अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है और वही निर्णय देश की राजनीति की दिशा और दशा तय करता है।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तकः भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

युद्ध के माहौल में विश्व शांति का शंखनाद है विश्व णमोकार दिवस

ललित गर्ग

(विश्व णमोकार दिवस- 9 अप्रैल, 2026)

विश्व इतिहास के इस संक्रमणकाल में, जब मानवता युद्ध, हिंसा, आतंक, तनाव और असहिष्णुता के बोझ तले कराह रही है, ऐसे समय में 9 अप्रैल 2026 को मनाया जाने वाला विश्व णमोकार मंत्र दिवस एक अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा-विस्फोट के रूप में सामने आ रहा है। यह दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिव्य चेतना के जागरण का ऐसा अवसर है, जिसमें सामूहिक मंत्रोच्चारण से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियां पूरे विश्व को आलोकित करने वाली हैं। "एक विश्व, एक दिन, एक मंत्र"-इस संकल्प के साथ प्रातः जब संपूर्ण पृथ्वी पर एक साथ णमोकार महामंत्र का उच्चारण होगा, तब यह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि एक दिव्य ऊर्जा तरंग का निर्माण होगा। आध्यात्मिक विज्ञान के अनुसार, जब लाखों-करोड़ों लोग एक ही समय पर एक ही पवित्र मंत्र का उच्चारण करते हैं, तो उससे उत्पन्न स्पंदन वातावरण को शुद्ध करते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का क्षय करते हैं, सकारात्मक चेतना का तीव्र प्रसार करते हैं और शांति एवं अहिंसा का शंखनाद करते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा 'संकल्प शक्ति' के रूप में कार्य करती है, जो असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखती है। यह विलक्षण दिवस हजारों मंदिरों एवं अन्य स्थलों में जातीय बंधनों को तोड़कर सभी समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर देकर एक प्रेरणादीप बनेगा, जहां मैत्री के फूल खिलेंगे, शांति एवं सद्भावना की ज्योति रश्मियां जगमगायेगी। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण, सम्यक्-चरित्र, सम्यक्-दृष्टि का अभाव अखरता है। सिद्ध एवं चमत्कारी णमोकार महामंत्र सम्यक्-आचरण को उद्घाटित करने वाला किसी धर्म विशेष का नहीं है, यह एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वदैशिक मंत्र है, जिसका उच्चारण कर व्यक्ति शुद्ध आचरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को आकार देते हुए शांति, अहिंसा, अयुद्ध, सह-जीवन का साकार कर सकता है। 'णमोकार महामंत्र' के सामूहिक उच्चारण के माध्यम से दुनिया भर के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है। यह आयोजन विश्व शांति, आत्मशांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन-जीतो संस्था के द्वारा कराया जा रहा है। इस विराट आयोजन में 180 से अधिक देशों के लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे। विश्वभर में 100 से अधिक मेगा इवेंट्स और 6000 से अधिक मंदिरों एवं स्थलों पर यह सामूहिक जाप होगा। दिल्ली के मुख्य समारोह में भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति इस आयोजन को वैश्विक पहचान प्रदान करेगी। इस आयोजन से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियों का वर्णन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुभव का विषय भी है। यह मंत्र आत्मा के गहनतम स्तर को स्पर्श करता है, जहां से चेतना की शुद्ध धारा प्रवाहित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस सामूहिक जाप के दौरान-मानसिक शांति और स्थिरता का अद्भुत अनुभव होता है, जिससे तनाव, भय और अवसाद स्वतः क्षीण होते हैं। आभामंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति की ऊर्जा सकारात्मक और प्रभावशाली बनती है। रोगों में राहत और स्वास्थ्य में सुधार के अनेक अनुभव सामने आते हैं, क्योंकि सकारात्मक कंपन शरीर की कोशिकाओं को संतुलित करते हैं। संकल्प सिद्धि की शक्ति बढ़ती है अर्थात् जो शुभ संकल्प किए जाते हैं, वे पूर्ण होने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होते हैं। कर्म निर्जरा (कर्मों का क्षय) की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है।

दुनिया में अनेक मंत्र हैं, किंतु दो मंत्र विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं गायत्री मंत्र और णमोकार महामंत्र। णमोकार मंत्र न केवल जैन धर्म का मूल मंत्र है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और चेतना के उत्कर्ष का सार्वभौमिक सूत्र है। इसकी शक्ति अनंत और अक्षय मानी जाती है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं, किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है, सब पापों का नाश करने वाला है, यह अद्भुत शांति का कारक है। यह संसार में सबसे उत्तम मंगल को घटित करने वाला सिद्ध मंत्र है। णमोकार-स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, तनाव, अशांति, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं।

मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं। णमोकार महामंत्र के जाप एवं साधना से उत्पन्न ऊर्जा एक पाथेय है जीवनशैली को बदलने का, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जागरूक होने का, शांति एवं अहिंसक जीवनशैली का, शरीर, मन, आत्मा एवं प्रकृति के प्रति सचेत रहने का। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है, जो णमोकार महामंत्र की सार्थक निष्पत्ति है। इस मंत्र के प्रथम पाँच पदों में 35 अक्षर और शेष दो पदों में 33 अक्षर हैं। इस तरह कुल 68 अक्षरों का यह महामंत्र समस्त कार्यों को सिद्ध करने वाला व कल्याणकारी अनादि सिद्ध मंत्र है। इसकी आराधना करने वाला स्वर्ग यानी मोक्ष- संसारबंधनों मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। यह मन्त्र एक भावना है, एक इच्छा है, एक कामना है जो बार बार दोहराई जाती है ताकि वैसा हो जाए, इस दृष्टि में उन्नत विश्व संरचना, हिंसा एवं युद्ध मुक्ति के लिये यह कारगर है। सह-अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है और अहिंसा को फलित करने के लिये णमोकार महामंत्र अचूक उपक्रम है, अनुष्ठान है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बचाए रखने की कोशिशें व्यर्थ और अन्ततः घातक होती हैं। भगवान् महावीर का संदेश कि "सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय"-इस मंत्र की मूल भावना है। जब यह मंत्र करोड़ों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो यह केवल शब्द नहीं रहता, बल्कि करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की वैश्विक घोषणा बन जाता है। आचार्य उमास्वाति की उक्ति "परस्परोपग्रहो जीवानाम्" इस सामूहिक साधना के माध्यम से जीवंत हो उठती है। गतवर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने उद्बोधन में इस मंत्र को "आंतरिक क्रांति का माध्यम" बताया था। उन्होंने कहा कि यह मंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को बदलने की शक्ति है-एक ऐसा साधन जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और समाज को एक सूत्र में पिरोता है। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंक के संकट से जूझ रहा है, तब यह आयोजन एक "आध्यात्मिक ऊर्जा-संकल्प" बन सकता है। यह वह क्षण होगा, जब मानवता अपनी सामूहिक चेतना से शांति का आह्वान करेगी और णमोकार मंत्र की दिव्य तरंगें विश्व को एक नई दिशा देंगी।

निश्चित तौर पर यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। यदि हम इस मंत्र की शक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सम्पूर्ण विश्व शांति, समरसता, अहिंसा, अयुद्ध और आनंद की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यही इस मंत्र की चमत्कारी शक्ति है, यही इसकी सिद्धि है, और यही इसका वैश्विक संदेश है।

णमोकार महामंत्र व्यक्ति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए णमोकार महामंत्र से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता। इस दृष्टि से विश्व णमोकार मंत्र दिवस सम्पूर्ण विश्व को आत्म-कल्याण से विश्व-कल्याण की ताकत और प्रासंगिकता से अवगत कराने का सशक्त माध्यम है। आत्मविशुद्धि और मुक्ति के साथ-साथ जीवन को सुखद, समृद्ध, निरोगी और प्रसन्न बनाने के लिए नियमित रूप से णमोकार महामंत्र का जाप करना चाहिए। णमोकार महामंत्र हमें जीवन की समस्याओं, कठिनाइयों, चिंताओं, बाधाओं से पार पहुंचाने में सबसे बड़ा आत्म-सहायक है। यह मंगल भावनाओं से भरा मंत्र जगत में मांगल्य की वृद्धि करता है। मांगल्य की भावना को बढ़ाता है। इस मंत्र के पीछे अनंत साधकों की साधना है। इसलिए इस मंत्र का नियमित जाप करने से सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंगों से भरा रहने वाला है। आपका हंसमुख स्वभाव दूसरों की खुशी की वजह बनेगा। कहीं रुका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा, जिससे आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज अपने परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे। बच्चे आज खेल-कूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर आपको अपनी कई समस्याओं का हल मिल जाएगा।

वृष राशिः आज रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं।। पैसों से जुड़ा आपने जोफैसला लिया था, आज उसके सुखद परिणाम मिल सकते हैं। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होंगी। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ेगी। आज रचनात्मक कार्यों आपका रुझान बढ़ेगा। तरक्की के कुछ ऐसे मामले सामने आएंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। व्यावसायिक प्रगति के लिए आज का दिन अनुकूल है , धन लाभ हो सकते हैं। आज आप किसी भी पुरानी बातों में न उलझें। जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं उनके लिए धन लाभ के योग हैं। आज आपकी रुचि समाज सेवा में ज्यादा रहेगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो बिजनेस में आपको लाभ दिलायेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज आप नया घर लेने का विचार करेंगे ,परिवार में इस पर विचार विमर्श करेंगे। परिवार में आज किसी सदस्य से छोटा-मोटा विवाद हो सकता है। बेहतर होगा आज बेवजह किसी के मामले बिना मांगे सलाह न दें बातों में दखल देने से बचें।

सिंह राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस करने वाले लोग आज कोई बड़ा कदम उठाने से बचें। आज कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। संतान की शैक्षिक उन्नति होने की संभावना है ,पढ़ाई के प्रति उनकी गंभीरता बढ़ेगी। आज ठीक से योजना न बनाने के कारण आपका काफी समय खराब हो सकता है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होंगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया करेंगे। धैर्य बनाए रखें सफलता अवश्य। पुराना अटक हुआ धन प्राप्त हो सकता है आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आप स्वस्थ महसूस करेंगे। यदि आप निवेश करना चाहते हैं, तो किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद अवश्य लें, अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। परिवार में किसी धार्मिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपकी कुछ चिंताएं आपके लिए रूकावटें बन सकती है। अनियमित दिनचर्या के कारण आलस्य और थकान हो सकती है। अपने काम को न टालें। बेहतर होगा समय से काम पूरा कर लें। ओवर कॉन्फिडेंस जैसी स्थिति बन सकती है, इससे बचकर रहें। आपके जीवनसाथी के कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। ज़िंदगी का भरपूर लुत्फ़ उठाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं को क़ाबू में रखें। आज मित्रों के सहयोग से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। घर पर अचानक कोई मेहमान आ सकते हैं। शाम तक घर में किसी छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर कार्यभार अधिक रहेगा। घर में बुजुर्गों का अधिकतर समय बच्चों के साथ व्यतीत होगा। आप सकारात्मक रहेंगे और आपके मन में कई उम्मीदें भी बनी रहेंगी , कुछ नया काम करने का सोचेंगे। अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं।

मकर राशिःआज दिन आपके लिए सकारात्मक रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम पूरे हो जाएंगे।आज कोई नया काम शुरू करने से बचें। इस राशि के छात्रों को आज अधिक मेहनत करनी की जरूरत है।। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों को आज थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है लेकिन सफलता अवश्य मिलएगी।

कुंभ राशिः आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आपकी व्यक्तिगत समस्याएं हल होंगी। आज किसी भी काम के बारे में गहराई से विचार करेंगे, तो नतीजे आपके फेवर में आ सकते हैं।

मीन राशिःआज के दिन आपका अधिकतम समय ध्यान और अध्यात्मक कार्यों में बीतेगा है। शाम तक किसी धार्मिक आयोजन में भी जा सकते हैं। कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी। साहित्य के छात्रों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है बच्चों को मत पिता की ओर से कोई सरप्राइज मिल सकता है।

कब पुनः शुरू होगी वरिष्ठ नागरिकों की रेल यात्रा छूट?

निर्मल रानी

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के दौरान दुनिया के अनेक देशों में तरह तरह के अभूतपूर्व फ़ैसले लिये गये थे। प्रायः ऐसे फ़ैसलों का मक़सद कोरोना महामारी के संक्रमण को यथासंभव रोकना था। इसी दौरान पूरे विश्व में हवाई यातायात तक ठप्प हो गया था। अनेक देशों में लॉक डाउन लगा दिया गया था। कल-कारख़ाने सभी प्रकार के यातायात, व्यवसाय, उद्योग बाज़ार आदि सभी बंद कर दिये गये थे। भारत भी उन्हीं देशों में एक था जहाँ पूर्ण लॉक डाउन लगा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 24 मार्च 2020 की रात को पहले चरण के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। 25 मार्च 2020 की मध्यरात्रि से लागू हुआ प्रथम चरण का यह पूर्ण लॉकडाउन पहले तो केवल 21 दिनों का बताया गया था परन्तु बाद में भी इसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया था। इसी पूर्ण लॉकडाउन के दौरान रेल सहित देश की सभी यातायात सुविधाओं को पूर्णतः स्थगित कर दिया गया था। कोरोना का प्रभाव कम होने के बाद भारतीय रेलवे ने 12 मई से चरणबद्ध तरीक़े से यात्री ट्रेनों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 15 विशेष ट्रेनों के द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को असम, बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू, झारखंड,कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा के प्रमुख शहरों से जोड़ा गया था। बाद में धीरे धीरे इनका विस्तार किया गया। भारत सरकार ने इस अवसर का लाभ उठाते हुये वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि "अनावश्यक यात्रा रोकने" के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। ग़ौरतलब है कि उसी

दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत के लिए एक संकेत लेकर आई है, एक संदेश लेकर आई है, एक अवसर लेकर आई है। भारत ने आपदा को, अवसर में बदल दिया है । रेल विभाग ने भी इसी आपदा में अवसर देखते हुये कोरोना काल की आड़ में कई ऐसे निर्णय ले डाले जो सरकार के लिये भले ही लाभदायक रहे हों परन्तु रेल यात्रियों के लिये तो हरगिज़ नहीं थे। मिसाल के तौर पर अनेक पैसेंजर ट्रेन को एक्सप्रेस ट्रेन बताकर कहीं स्टॉपेज कम कर दिये गये तो कहीं किराया बढ़ा दिया गया। कई ट्रेन स्थाई रूप से कैंसिल कर दी गयी तो कई ट्रेन के रुट बदल दिये गये। इनमें से कोरोना काल के समय किये गये कुछ परिवर्तन तो यथापूर्व किये गये परन्तु कुछ कोरोना काल समाप्त होने के बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना। सवाल यह है कि जब यह छूट समाप्त करते समय "अनावश्यक यात्रा रोकने" जैसा तर्क दिया गया था तो आज तक उस छूट को पुनः लागू क्यों नहीं किया गया ? जबकि अब न केवल कोरोना काल के पूर्व की लगभग सभी ट्रेन्स चल रही हैं बल्कि अनेक नई ट्रेन्स भी पटरियों पर दौड़ने लगी हैं? ग़ौरतलब है कि भारतीय रेल ने छात्र, दिव्यांगजन, रोगी, स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध विधवाएँ जैसी कुल 53 श्रेणियों में विभिन्न स्तर पर छूट दी थी। इन्हीं में वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली टिकट छूट की सुविधा विभिन्न चरणों में 1985 में शुरू की गई थी। अगस्त 2001 से इसे स्वैच्छिक बना दिया गया अर्थात वरिष्ठ नागरिक चाहें तो छूट ले सकते थे। लेकिन यात्रा के दौरान छूट लेने वालों को अपनी आयु का कोई न कोई प्रमाण जैसे आधार, पैन कार्ड या पासपोर्ट आदि यात्रा के समय अपने साथ रखना अनिवार्य कर दिया गया था। इस सुविधा का लाभ देश के बुज़ुर्गों ने 35 वर्षों तक उठाया परन्तु स्वयं को लोकहितकारी बताने का ढिंढोरा पीटने वाली मोदी सरकार ने इसे कोरोना की आड़ में समाप्त कर दिया। जो सरकार छूट समाप्त करते समय "अनावश्यक यात्रा रोकने" जैसा तर्क दे रही थी वही सरकार अब इसे सरकार पर "वित्तीय बोझ" मान रही है। सरकार का तर्क है कि रेलवे पहले से ही भारी घाटे में चल रही है । रेल मंत्री संसद में बता भी चुके हैं कि रेलवे सभी यात्रियों को औसतन 45% सब्सिडी दे रही है । गोया प्रत्येक यात्री को पहले से ही काफ़ी राहत मिल रही है। कुछ आंकड़े बताते हैं कि सरकार अनावश्यक यात्रा रोकने जैसे उपाय कर देश के बुज़ुर्गों से अब तक दस हज़ार करोड़ से अधिक रूपये कमा चुकी है। इसी सन्दर्भ में इस बात का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है कि बुज़ुर्गों की रेल यात्रा छूट समाप्त करने वाली यही सरकार जब चाहती है और जहाँ से चाहती है विभिन्न तीर्थ स्थलों की मुफ़्त यात्रा हेतु विशेष ट्रेन चला देती है। जब चाहती है चुनावी राज्यों के लिये स्थानीय प्रवासियों हेतु विशेष ट्रेन चलाकर उन्हें मतदान करने हेतु निःशुल्क भेजती है। गोया अपने वोट बैंक साधने के लिये तो सरकार तत्पर रहती है परन्तु इसी सरकार के पास न तो कोरोना काल की शुरुआत में इन्हीं प्रवासी मज़दूरों को उनके राज्यों व शहरों तक भेजने के लिये कोई ट्रेन थी न ही आज उन ट्रेन्स पर चलने वाले बुज़ुर्गों के लिये पूर्व में मिलने वाली छूट ? हालाँकि कभी कभार अपुष्ट सूत्रों से यह ख़बर सुनाई देती है कि शायद सरकार पुनः यह छूट देने पर विचार कर रही है। परन्तु इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में सिंधु ने रोमांचक जीत दर्ज की, लक्ष्य सेन बाहर

एजेंसी, निंगबो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु ने बुधवार को बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में कड़ा मुकाबला जीतकर दूसरे दौर में जगह बनाई। करीब दो महीने बाद कोर्ट पर उतरी सिंधु को मलेशिया की वर्ल्ड नंबर-38 वोंग लिंग चिंग के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा।

पहला गेम 15-21 से गंवाने के बाद सिंधु ने शानदार वापसी करते हुए अगले दो गेम 21-11, 21-19 से जीत लिए। एक घंटे सात मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत दर्ज करने के बाद अब उनका सामना दूसरे वरीयता प्राप्त चीन की वांग झी यी से होगा। इससे पहले आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड नंबर-7 और पिछले साल के कांस्य पदक विजेता ली शी फेंग को 21-13, 21-16 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। 51 मिनट में मिली इस जीत के बाद आयुष अब प्री-क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के ची यू जेन से भिड़ेंगे। हालांकि, भारत के लक्ष्य सेन को निराशा हाथ लगी और उन्हें हांगकांग के ली चेक यू के खिलाफ 12-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल में मालविका बंसोड़ और तन्वी शर्मा भी अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में हारकर बाहर हो गईं। दिन के बाद के मुकाबलों में एच एस प्रणय, किदांबी श्रीकांत और उन्नति हुड्डा एकल वर्ग में एक्शन में नजर आएंगे।

रिंकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर : गांगुली

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिंकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। केकेआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिंकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आजिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिंकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिंकू ने आईपीएल के 2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातकर रातो-रात स्टार बन गये थे।

रिंकू ने आईपीएल के 2024 में भी केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं। । अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है। वहीं रिंकू को नंबर 5 पर उतारा जा रहा है। रिंकू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और उसके बाद ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर 35 रन बनाए थे।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

एजेंसी, बेंगलुरु

बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे।

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये

एजेंसी, सीकर : भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं।

ईशान एक अच्छे कप्तान : क्लासेन

एजेंसी, हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने पैट कमिंग के बाहर होने के कारण टीम की कप्तानी संभाल रहे ईशान किशन की जमकर प्रशंसा की है। क्लासेन ने कहा कि ईशान एक अच्छे खिलाड़ी और कप्तान है क्योंकि वह बेहद सहज है और सलाह लेने में हिचकते नहीं है। इसके साथ ही उनका फैसला लेने का तरीक काफी अच्छा है। वह सभी से बात करते हैं और ड्रेसिंग रुम का माहौल भी हंसी मजाक वाला बनाये रखते हैं। नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से अब तक इस सीरीज में ईशान ने ही कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में एसआरएच ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। क्लासेन ने कहा, मुझे लगता है कि अब तक अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल रहे हैं।

वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो सलाह मांगते हैं। इसके अलावा ड्रेसिंग रूम का माहौल अच्छा बनाये रखते हैं। जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम में उनकी बात सुनते हैं वह एक अच्छी आदत है। उन्होंने कहा, इससे साफ है कि टीम सुरक्षि हाथों में है। जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। पिछले काफी समय से वह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। क्लासेने ने कहा, मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था।

बिजनेस

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 11 साल पूरे, 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण वितरित

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने बुधवार को लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने के 11 वर्ष पूरे कर लिए। पीएमएमवाई ने 57.79 करोड़ ऋणों के माध्यम से 40.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया, जिससे लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए ऋण इकोसिस्टम मजबूत हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 अप्रैल, 2015 को इसकी शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में वर्तमान अंतर को कम करना है, जिसके तहत गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि आय सृजन गतिविधियों के लिए लघु व्यवसायों को समर्थन देने के लिए 20 लाख रुपये तक के सरल, आसान और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने एक ऐसा परिवर्तन देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिकों ने नए आत्मविश्वास और सक्रियता के साथ उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखा है। सीतारमण ने कहा कि 11 बाद यह योजना देश में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। वित्त मंत्री ने लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को साकार करने में पीएमएमवाई की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40.07 लाख करोड़ रुपये है।

इनमें से दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। उनहोंने कहा कि लगभग एक-पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यम शुरू करने वाले उद्यमियों को दिया गया है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपये की राशि के साथ 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना उद्यमियों को सशक्त बनाना जारी रखेगी, ताकि वे 2047 तक विकसित भारत बनने की हमारी राष्ट्र की यात्रा में सक्रिय भागीदार बन सकें।

पश्चिम एशिया में सीजफायर की खबर से शेयर बाजार में उत्साह

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी जंग में अगले दो सप्ताह तक के लिए सीजफायर होने का ऐलान होने के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक 3.5 प्रतिशत से भी अधिक उछल गए। आज के कारोबार की शुरुआत भी जबरदस्त मजबूती के साथ हुई थी। कारोबार की शुरुआत होने के बाद मुनाफा वसूली की मामूली कोशिश भी हुई। इसके बावजूद बाजार का जोश इतना हाई था कि सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल पर ज्यादा असर नहीं पड़ सका। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 3.47 प्रतिशत और निफ्टी 3.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंटर ग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, अदानी एंटरप्राइज, अदानी पोर्ट्स और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 9.50 प्रतिशत से लेकर 6.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, कोल इंडिया, ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, विप्रो और सन फार्मास्यूटिकल के शेयर 3.19 प्रतिशत से लेकर 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

आरबीआई का चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी, मुंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित आर्थिक वृद्धि दर 7.6 फीसदी से कम है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद कहा कि रिजर्व बैंक ने भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। यह अनुमान वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही रेपो दर को 5.25 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चिंताओं से वृद्धि दर में यह नरमी रह सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान एवं इसके कारण ढुलाई तथा बीमा लागत में वृद्धि से माल निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूती, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का असर, विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग में वृद्धि तथा वित्तीय संस्थानों एवं कॉरपोरेट के मजबूत बही-खाते घरेलू मांग को समर्थन देंगे। मल्होत्रा ने कहा कि ऊर्जा और अन्य जिंस की ऊंची कीमतें, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में उत्तपन्न व्यवधान से आपूर्ति को लगे झटके चालू वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू उत्पादन की गति को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आरबीआई के अनुसार पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 6.8 फीसदी, दूसरी तिमाही में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही में 7.0 फीसदी और चौथी तिमाही में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता एवं उसके घरेलू वित्तीय परिस्थितियों पर असर से भी वृद्धि की संभावनाओं पर दबाव पड़ सकता है। केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित रणनीतिक व उभरते क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयास भारत की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं के लिए सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए ऊंची कीमतों एवं धीमी वृद्धि की चुनौती खड़ी कर रहा है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई 4.6 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी, मुंबई

पश्चिम एशिया संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर 4.6 फीसदी पर रहने का अनुमान जताया है। यह रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे के अंदर हैं। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट से पहले भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी तत्व मजबूत दिख रहे थे और आर्थिक वृद्धि दर बेहतर एवं महंगाई कम रहने का आकलन किया जा रहा था। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद स्थिति बदल गई है। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं, दूसरी तिमाही में इसके 4.4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 5.2 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने समीक्षा में पाया कि पिछली नीतिगत बैठक के बाद से भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं काफी बढ़ गई हैं। कुल मिलाकर महंगाई दर नियंत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है। हालांकि, महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव और मौसम में बदलाव है, जिसकी वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज लगातार तीसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,49,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार के भाव यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,49,980 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,37,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,37,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, ब्रेंट क्रूड का भाव 91.88 डॉलर प्रति बैरल

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के ईरान के साथ अस्थायी सीजफायर की घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड करीब 91.88 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 91.05 डॉलर पर पहुंच गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 16 फीसदी यानी 17.39 डॉलर गिरकर 91.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड करीब 20 फीसदी यानी 21.90 डॉलर टूटकर 91.05 डॉलर पर पहुंच गया है। हालांकि, ये कीमतें अभी भी पश्चिम एशिया संकट शुरू होने से पहले के स्तर से ज्यादा हैं। विश्लेषकों का कहना है कि कच्चे तेल में यह गिरावट कितनी टिकेगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि सीजफायर कितनी मजबूती से लागू होता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होती है या नहीं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर संभावित हमले को दो हफ्तों के लिए टालने का फैसला किया है, जिससे वैश्विक बाजारों में राहत दिखी। इसमें होर्मुज जल-डमरू-मध्य को आवाजाही के लिए फिर से खोलने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। इस घोषणा के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई और शेयर बाजारों में तेज उछाल दर्ज हुआ है।

6 करोड़ लागत और कमाई 50 करोड़ के पार, धुरंधर 2 के आगे फिल्म 'यूथ कर रही छप्पर फाड़ कमाई

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रणवीर सिंह की सीक्वल फिल्म 'धुरंधर 2 राज कर रही है. इस फिल्म के साथ ही 19 मार्च को एक और साउथ की मामूली बजट में बनी फिल्म 'यूथ भी रिलीज हुई थी. दिलचस्प बात ये है कि 'धुरंधर 2 की सुनामी के आगे 'यूथ न केवल बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है बल्कि शानदार कमाई भी कर रही है. यहां तक की तीसरे वीकेंड पस भी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर खूब नोट छाप हैं. यहां 'यूथ का अब तक का कलेक्शन जान सकते हैं. 'यूथ में केन करुणास ने लीड रोल प्ले किया है और ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म ने अपने तीसरे वीकेंड में कमाई में काफ़ी बढ़ोतरी देखी. सैकनिल्क के मुताबिक, 16वें दिन (तीसरे शुक्रवार) यूथ ने लगभग 1.85 करोड़ कमाए, जिससे वीकेंड के लिए बेस तैयार हो गया. इसके बाद 17वें दिन (तीसरे शनिवार) को कलेक्शन में थोड़ा सुधार हुआ और इसने लगभग 1.92 करोड़ कमाए.

सबसे बड़ा उछाल 18वें दिन (तीसरे रविवार) को आया, जब फिल्म ने लगभग 2.00 करोड़ कमाए. वीकेंड में हुई कमाई के साथ, 'यूथ ने अब शानदार नंबर हासिल कर लिए हैं. फिल्म का टोटल इंडिया ग्रॉस कलेक्शन लगभग 55.52 करोड़ है, जबकि इंडिया नेट लगभग 48.39 करोड़ हो गया है. ये फिल्म इंटरनेशनल लेवल पर भी काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है. 18वें दिन इंटरनेशनल लेवल पर इसने 0.15 करोड़ और जोड़े जिससे इसका इंटरनेशनल आंकड़ा 11.00 करोड़ हो गया. अब, फिल्म का वर्ल्डवाइड आंकड़ा 66.52 करोड़ है. ये तमिल मूवी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही. खास बात ये है कि इसे कम बजट में बनाया गया था इसकी कास्ट में कोई स्टार चेहरा भी नहीं था.

बता दें कि यूथ ने अपने होम मार्केट में सबसे अच्छा परफॉर्म किया, जहां इसने लगभग 42.25 करोड़ कमाए. मूवी को कर्नाटक से लगभग 3.75 करोड़ मिले, जबकि तेलुगु राज्यों ने 3.75 करोड़ के कलेक्शन के साथ कंट्रीब्यूशन दिया, बाकी इंडियन मार्केट ने टोटल टैली में लगभग 1.25 करोड़ का कंट्रीब्यूशन दिया है. इस कॉमेडी ड्रामा 'यूथ में केन करुणास के अलावा सूरज वेंजरामूडू, देवदर्शिनी, अनिष्मा अनिलकुमार, प्रियांशी यादव और मीनाक्षी दिनेश जैसे कलाकार भी अहम रोल में हैं. केन करुणास ने इस फिल्म को डायरेक्ट भी किया है.

फिल्म

श्रेया घोषाल ने मुंबई में खरीदा 29.70 करोड़ का नया घर, अरबों में नेट वर्थ

भारतीय सिनेमाई संगीत की बेइंतहा सुरीली सिंगर श्रेया घोषाल एक बार फिर चर्चा में हैं। खबर है कि श्रेया ने मुंबई में अपने लिए एक नया आलीशान आशियाना खरीदा है। मुंबई में सिंगर ने यह प्रीमियम अपार्टमेंट अपने माता-पिता शमीष्ठा घोषाल और बिस्वजीत घोषाल के साथ मिलकर खरीदा है। वर्ली इलाके में मौजूद इस अपार्टमेंट की कीमत 29 .70 करोड़ बताई जाती है। 42 साल की श्रेया का यह नया घर 2,750 .28 Sqft का है, जिसके साथ तीन डेडिकेटेड पार्किंग भी है। सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' की जज श्रेया घोषाल अरबों की संपत्ति की मालकिन हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह हर साल प्लेबैक सिंगिंग, स्टेज शोज और टीवी शोज से करीब 10 से 12 करोड़ की कमाई करती हैं।

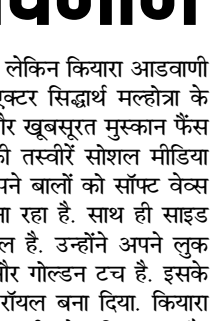

प्रॉपर्टीज की खरीद-बिक्री पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'स्क्वायर याड्र्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रेया घोषाल के इस नए अपार्टमेंट के रजिस्ट्रेशन दस्तावेजों में इस बात की पुष्टि हुई है कि यह अपार्टमेंट वर्ली 'गोदरेज ट्रिलॉजी' में स्थित है। इस घर का कारपेट एरिया 2,430 .06 Sqft और टोटल बिल्ट-अप एरिया 2,750 .28 Sqft है। श्रेया घोषाल और उनके माता-पिता के नाम रजिस्टर इस प्रॉपर्टी के लिए 1.78 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया है। जबकि रजिस्ट्रेशन फीस 30,000 है। यह सौदा आधिकारिक तौर पर 1 अप्रैल, 2026 को रजिस्टर्ड किया गया था। पिछले कुछ साल में, मुंबई का वर्ली इलाका लग्जरी रियल एस्टेट के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन के तौर पर उभरा है। साउथ मुंबई, लोअर परेल, प्रभादेवी और बांद्रा जैसे मशहूर इलाकों के साथ ही यह वर्ली में भी कई प्रॉपर्टीज की कीमत 1 लाख प्रति वर्ग फुट से भी ज्यादा है। श्रेया घोषाल का जन्म 12 मार्च 1984 को बिस्वजीत घोषाल और शमीष्ठा घोषाल के जन्म हुआ। उनके पिता इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं।

रिलीज हुआ टोस्टर का ट्रेलर कंजूसी की हद पार करते नजर आए राजकुमार राव व सान्या मल्होत्रा

राजकुमार राव और सान्या मल्होत्रा स्टारर अपकमिंग फिल्म टोस्टर का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म डार्क कॉमेडी है। ट्रेलर में एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है जो आम लोगों से जुड़ी है। दो मिनट 42 सेकंड के ट्रेलर में ऐसे शख्स की कहानी दिखाई गई है जो बहुत कंजूस है। वह अपनी कंजूसी की वजह से मुसीबत में पड़ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत राजकुमार को दिखाने से होती है। वह छोटी-छोटी चीजों में पैसे बचाते हैं। एक करीबी की शादी में वह एक टोस्टर गिफ्ट देते हैं। बाद में शादी कैंसिल हो जाती है। इसके बाद राजकुमार राव उस परिवार से अपना गिफ्ट वापस मांगने वापस जाते हैं। टोस्टर वापस न मिलने की हालत में वह इसे चुरा लेते हैं। इसके बाद वह एक बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं। ट्रेलर में राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा भी हैं। उन्होंने इसमें राजकुमार राव की पत्नी का रोल किया है। वह राजकुमार राव की कंजूसी की आदत से परेशान होती हैं। ट्रेलर में अभिषेक बनर्जी की भी झलक दिखी है। डार्क कॉमेडी फिल्म टोस्टर इसी महीने 15 तारीख को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इसमें राव और मल्होत्रा के साथ अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी, फराह खान, उपेंद्र लिमये, विनोद रावत, जितेंद्र जोशी और सीमा पाहवा भी हैं। इसके निर्देशक विवेक दास चौधरी हैं। यह काम्पा फिल्म के बैनर तले बनी है।

पिंक साड़ी में कियारा आडवाणी ने उड़ाए होश, ग्लैमरस अवतार ने बढ़ाया तापमान

एनएमएसीसी के तीसरे एनिवर्सरी में बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे, लेकिन कियारा आडवाणी के लुक ने सबका ध्यान खींच लिया. कियारा अपने पति और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस इवेंट में नजर आईं. पिंक साड़ी में उनका ग्रेसफुल अंदाज और खूबसूरत मुस्कान फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. कियारा ने अपने इस शानदार लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब तेजी से वायरल हो रही हैं. कियारा ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स के साथ खुला रखा, जो उनके पूरे लुक को बहुत एलिगेंट बना रहा है. साथ ही साइड पार्टिंग के साथ उनका हेयरस्टाइल बहुत नेचुरल और ग्रेसफुल है. उन्होंने अपने लुक के साथ एक स्टाइलिश चोकर नेकलेस चुना, जिसमें पर्ल और गोल्डन टच है. इसके साथ मैचिंग ईयररिंग्स ने उनके पूरे लुक को क्लासी और रॉयल बना दिया. कियारा का ब्लाउज बहुत स्टाइलिश है. गोल्डन एम्ब्रॉयडरी के साथ स्लीवलेस डिजाइन और डीप नेकलाइन ने उनके लुक को ग्लैमरस टच दिया है. उन्होंने पिंक कलर की साड़ी पहनी है, जिस पर गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम किया गया है. हल्की साड़ी ने उनके पोज को बहुत ग्रेसफुल बना दिया है. कियारा का पूरा लुक सिंपल के साथ बहुत स्टाइलिश है. उन्होंने एक बैलेंस्ड और एलिगेंट लुक को चुना, जो किसी भी फेस्टिव या इवेंट के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन बन सकता है. उनका मेकअप बहुत सॉफ्ट और ग्लोइंग है. न्यूड लिपस्टिक, हल्का ब्लश और आई मेकअप ने उनके चेहरे पर नैचुरल ग्लो दिया, जो उन्हें अट्रैक्टिव बना रहा है.कियारा की स्माइल और पोज इस लुक की सबसे बड़ी खासियत है. कैमरे के सामने उनके एक्सप्रेशन पूरे लुक को और भी ज्यादा एलिगेंट बना रहे है.

'पिताजी मुझे लेकर जामा मस्जिद गए, कहा- मत्था टेको', मनोज कुमार ने सुनाया था नेहरू के भाषण का किस्सा

गुजरे जमाने के फेमस एक्टर और डायरेक्टर मनोज कुमार को फैन्स 'भारत कुमार' कहते थे और इसके पीछे उनकी फिल्मों में उनका देशभक्ति वाले किरदार की बड़ी भूमिका थी। उन्होंने 'पूरब और पश्चिम', 'उपकार' और 'क्रांति' जैसी फिल्मों में कुछ इसी तरह के किरदार निभाए जिसकी वजह से उनके साथ देशभक्ति का टैग लग गया। मनोज कुमार ने एक बार अपनी ये कहानी खुद सुनाई थी। भास्कर से बातचीत में उन्होंने कहा था, 'सन 1946-47 में मैं लाहौर में था। तब वहां आजाद हिंद फौज के जुलूस निकलते थे। उनके 3 बड़े सैनिक सहगल, ढिल्लों और शाहनवाज कैद थे। लाल किले में उन पर मुकदमा चल रहा था। नारा था- लाल किले से आई आवाज, सहगल ढिल्लों और शाहनवाज। मैं भी उस जुलूस में नारे लगाता था। पुलिस ने मुझे भी पकड़ लिया। आधे पौने घंटे बाद डांट-डपट कर छोड़ दिया।' उन्होंने अपनी ये कहानी आगे बढ़ाते हुए कहा था, ' घर पहुंचा तो पिताजी ने पूछा कि थानेदार का फोन आया था। क्या बात हो गई? मैंने उन्हें भी वह नारा सुना दिया। पिताजी ने पूछा भी कौन हैं ये लोग? मैंने कहा- मुझे नहीं पता। तो उन्होंने मुझे नेताजी सुभाष चंद्र बोस की कहानी सुनाई। तब मेरी उम्र 9 साल थी। आजादी के दीवानों को लेकर वह मेरा पहला इम्प्रेशन था, जो मेरे जहन में उस समय से ही रच-बस गया था, जो आगे मेरी फिल्मों में उतरकर आया।'

इन 5 टिप्स की मदद से सालों तक चलेगा आपका फ्रिज, बार-बार रिपेयर करवाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

मार्च 2026 के अंत में उत्तरी और मध्य भारत के कई हिस्सों में भीषण गर्मी ने दस्तक दे दी है, और तापमान सामान्य स्तर से काफी ऊपर चला गया है. आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भीषण गर्मी और लू चलने जैसी स्थितियां पैदा हो सकती हैं. नतीजतन, लोग अपने रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल न केवल खाने-पीने की चीजों को सुरक्षित रखने के लिए कर रहे हैं, बल्कि पीने के पानी को ठंडा रखने के लिए भी कर रहे हैं. वैसे तो घरों में साल के ज्यादातर समय रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल होता ही है, लेकिन गर्मियों के मौसम में इसके बिना किचन के काम-काज संभालना लगभग नामुमकिन हो जाता है. इसलिए, इस उपकरण का ठीक से रखरखाव करना और इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है. अगर आप गर्मियों के मौसम में रेफ्रिजरेटर का इस्तेमाल कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह लंबे समय तक चले (खास तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गर्मी के मौसम में यह बिल्कुल भी खराब न हो) तो आज हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर करने जा रहे हैं, जो आपके फ्रिज को लंबे समय तक बिना किसी परेशानी के काम करने में मदद करेंगे...

इन टिप्स का पालन करने से सालों तक बिना मरम्मत के चलेगा आपका फ्रिज....

फ्रिज के दरवाजे की रबर सील बदलें: अगर आप चाहते हैं कि आपका फ्रिज लंबे समय तक चले और उसमें कोई खराबी न आए, तो हर 12 महीने में इसके डोर पर लगी रबर सील की जांच करें. अगर वह ढीली हो जाए या कहीं से फट जाए, तो उसे बदल दें. अगर आप फ्रिज की रबर सील नहीं बदलते हैं, तो यूनिट पानी को ठीक से ठंडा नहीं कर पाएगी, और इससे कंप्रेसर पर भी बहुत अधिक जोर पड़ेगा. फ्रिज की रबर सील (गैस्केट) खराब होने पर ठंडी हवा बाहर निकलती है और गर्म हवा अंदर आती है, जिससे कूलिंग कम हो जाती है और कंप्रेसर पर लगातार दबाव पड़ता है. इससे बिजली का बिल बहुत बढ़ जाता है, फ्रिज के अंदर बर्फ जम सकती है और यहां तक कि कंप्रेसर जल सकता है.

कंडेंसर कॉइल्स को साफ करें: अपने फ्रिज को खराब होने से बचाने के लिए, इसके कंडेंसर कॉइल्स को साल में कम से कम दो बार साफ करना चाहिए. इससे फ्रिज की लगभग 70 प्रतिशत आम समस्याएं हल हो जाती हैं. असल में, कॉइल्स और पंखे पर धूल जमने से कंडेंसर ठीक से काम करना बंद कर देता है, जिसके कारण कूलिंग ठीक से नहीं हो पाती. वहीं यदि आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर 2-3 महीने में सफाई करें, क्योंकि उनके बाल कॉइल्स को जल्दी बंद कर सकते हैं.

फ्रीजर के वेंट्स साफ करें: फ्रीजर के वेंट्स को साफ न करने से कूलिंग से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. इसे समस्या से को रोकने के लिए, वेंट्स को साफ रखना बेहद जरूरी होता है, वेंट्स को साफ रखने से फ्रीजर के अंदर सही वेंटिलेशन बना रहता है और, इसके अलावा, इलेक्ट्रिसिटी बचाने में भी मदद मिलती है.

रेफ्रिजरेटर का तापमान 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच रखें: अपने रेफ्रिजरेटर का तापमान हमेशा 38 से 42 डिग्री फारेनहाइट के बीच बनाए रखें. इसके अलावा, तापमान कंट्रोल सेटिंग्स पर नियमित रूप से नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि यूनिट में जरूरत से ज्यादा सामान न भरा हो. इन उपायों का पालन करके आप अपने रेफ्रिजरेटर को खराब होने से बचा सकते हैं.

रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करें: अपने रेफ्रिजरेटर को नुकसान से बचाने के लिए, समय-समय पर उसे डीफ्रॉस्ट करते रहें. डीफ्रॉस्ट करने से यूनिट के अंदर बर्फ जमने से बचाव होता है और बिजली की खपत कम करने में भी मदद मिलती है. रेफ्रिजरेटर को डीफ्रॉस्ट करने के लिए, सबसे पहले उसकी बिजली बंद कर दें और उसमें से सारा सामान निकाल लें. दरवाजा खुला छोड़ दें या बर्फ पिघलाने के लिए उसके अंदर गर्म पानी का एक कटोरा रख दें. किसी भी नोकदार चीज का इस्तेमाल न करें. जब बर्फ पिघल जाए, तो पानी पोंछ लें, अंदर से बेकिंग सोडा से साफ करें, फिर उसे अच्छी तरह सुखा लें और रेफ्रिजरेटर को दोबारा चालू कर दें.

टोविनो थॉमस की पीरियड एक्शन ड्रामा फ़िल्म पल्लीचट्टंबी का तेलुगु ट्रेलर जारी, 10 अप्रैल को होगी रिलीज

टोविनो थॉमस की पीरियड एक्शन ड्रामा फ़िल्म पल्लीचट्टम्बी 10 अप्रैल को रिलीज़ होने वाली है। फ़िल्म का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, जिसमें टोविनो के ज़बरदस्त एक्शन सीन और कायाडू लोहार के साथ उनके रोमांटिक पल दिखाए गए हैं। ट्रेलर की शुरुआत एक वॉइसओवर से होती है, जिसमें एक ताक़तवर योद्धा के आने का ऐलान किया जाता है; इसके बाद टोविनो के किरदार को क्रिस्टोफ़र के तौर पर पेश किया जाता है। यह फ़िल्म 1957-58 के केरल पर आधारित है, जिसकी कहानी में विरोध और सुधार का ज़बरदस्त मेल देखने को मिलता है। इस भव्य फ़िल्म का निर्देशन डिजो जोस एंटनी ने किया है, और इसे वर्ल्ड वाइड फ़िल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फ़िल्म में टोविनो थॉमस, कायाडू लोहार और एक मज़बूत सपोर्टिंग कास्ट शामिल है; साथ ही, इसकी सिनेमैटोग्राफ़ी और संगीत फ़िल्म के असर को और भी गहरा बनाते हैं। ट्रेलर एक रोमांचक एक्शन ड्रामा का वादा करता है, जिसमें टोविनो का किरदार इंसाफ़ और इंसानियत के लिए लड़ता हुआ नज़र आता है। यह फ़िल्म मलयालम, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में रिलीज़ होगी। अपनी मज़बूत टेक्निकल टीम और दिलचस्प कहानी के दम पर, पल्लीचट्टम्बी से एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव की उम्मीद की जा रही है, जो 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

Real work begins after liftoff

Isro chief puts mission ops at centre of space ambitions

Bengaluru, Agency: India's space missions may grab headlines at liftoff, but their real test begins only after the rocket falls silent. Mission operations, the long, invisible phase that keeps satellites alive for years, will define the next phase of the country's space ambitions, Isro chairman V Narayanan said here on Wednesday.

Speaking at the Spacecraft Mission Operations (SMOPs) conference, Narayanan underlined that while launches last barely 15 to 25 minutes, spacecraft must function reliably for years, sometimes up to 15. "Ensuring that the spacecraft remains fully operational in orbit... continuous monitoring, simulations, and command operations. This is a very important domain," he said, placing mission operations at the centre of future space efforts.

Narayanan spoke at a time Isro is reeling under launch failures and project delays that have come under criticism, especially given that the Indian space programme is transitioning from milestone-driven missions to sustained space activity. He pointed to three major achievements since the last SMOPs conference: the successful docking experiment in space, the Chandrayaan-3 Moon landing, and the Aditya-L1 solar mission.

He described the docking experiment as particularly complex, involving two satellites moving at speeds exceeding 15,000 kmph being brought together with precision. "Any wrong command... you know what will be the end result," he said, highlighting the risks involved.

Students still on phones in school, focus taking a hit

New Dehli, Agency: Even as most schools ban mobile phones, many students continue to use them through the day, and experts warn it may be quietly affecting their ability to focus and learn. The concern, teachers and doctors say, is not just screen time but how often students check their phones. Even brief interruptions can break concentration and make it harder for the brain to stay engaged.

"Students continue to use phones despite school bans because they find it psychologically difficult to disconnect," said Dr Nand Kumar, Prof in psychiatry department at AIIMS. "Phones provide a sense of constant connectivity and reduce anxiety, making them hard to put away."

On the ground, schools say enforcement remains uneven. "Aaye din bacche phone le aate hain. In some cases, there is a genuine concern - for instance, girls travelling from far-off areas may need to carry phones for safety. We allow limited use, but monitoring misuse like making reels or clicking pictures on campus is a challenge," said Awadhesh Kumar Jha, principal of CM Shri School.

Despite restrictions, students access phones between classes, during breaks or discreetly in lessons, with usage rising in higher classes. Experts say this leads to fragmented attention, where the brain keeps switching tasks instead of staying focused.

Sabarimala entry case:

Woman can't be treated as 'untouchable' for 3 days, says SC judge Nagarathna

New Dehli, Agency: A woman cannot be treated as "untouchable" for three days in a month and then cease to be considered untouchable on the fourth day, Supreme Court judge BV Nagarathna remarked on Tuesday during hearing of cases including Sabarimala issue. The remarks came as solicitor general Tushar Mehta, representing the Centre, said he strongly objected to the 2018 Sabarimala judgment's observation that barring women aged 10 to 50 from the temple amounted to "untouchability" under Article 17 of the Constitution.

"Article 17 in the context of Sabarimala, I don't know how it can be argued. Speaking as a woman, there can't be a three-day untouchability every month, and on the fourth day, there is no untouchability," PTI quoted justice Nagarathna saying. The observation came in response to Mehta's statement: "India is not that patriarchal or gender stereotyped in the way that the West understands."

In the Sabarimala case, justice DY Chandrachud held that barring women from Kerala's Sabarimala temple, whether due to age or menstrual status, amounts to "untouchability," places them in a "subordinate" position, reinforces "patriarchy," and undermines their dignity. Mehta said that the ban on women entering Sabarimala temple was not linked to menstruation, but was imposed solely based on a specific age group. "Let us be clear. Sabarimala concerns only a particular age group. There should be no confusion. Lord Ayyappa temples across the country and the world are open to women of all ages. It is only one temple which has this restriction.

Empty cylinders drive migrants back home

Patna, Agency: Trains rolled in. Platforms swelled. Migrant families from Bihar stepped down at Patna Junction with bedding, steel containers, plastic sacks - returning from cities where cooking has become unaffordable. Faces carried fatigue and a decision driven by empty cylinders and the search for a flame that costs less than a day's wage. LPG shortage bites.

"LPG vendors are charging Rs 500 a kg. It lasts two days," said Manoj, a construction worker from Punpun in Patna district who arrived from New Delhi with his wife and two children. "We could not continue."

Ramu, a Chennai factory worker bound for Saharsa, did the maths. "Two days' wages for gas to cook one meal. Better unemployed at home than starving in a big city." Officials said around 2,500 workers have returned so far, many citing cooking gas costs. Bihar has an estimated 48 lakh migrants working across Gujarat, Tamil Nadu, Delhi-NCR, Bengaluru and Mumbai. Labour department teams have begun panchayat-level surveys to track returns.

Magadh Express from New Delhi pulled in around 12.30pm Tuesday to a surge of workers heading home.

After February grounding Tejas fleet set to fly again

New Dehli, Agency: In what is good news for Indian Air Force (IAF), the indigenously developed LCA Tejas fleet is likely to resume flight operations on Wednesday following a nearly two-month-long grounding. The fleet was grounded in early Feb after a Tejas aircraft suffered a problem during a landing incident.

Hindustan Aeronautics Limited (HAL) CMD D K Sunil recently said that all 36 Tejas jets are likely to resume flying from April 8 after a software-related issue identified in the aircraft was resolved. "There was a technical issue, which has been discussed and committees are working on it. It was discussed in a local modification committee (LMC). Good news is that Tejas, the LMC is done. So, we expect that by Wednesday the fleet will start flying." Soon after the Feb incident, HAL had stated that it was "not a crash" but a "minor technical incident on the ground". Amid the ongoing conflict in West Asia and Pakistan's repeated threats after Operation Sindoor, it is important for India to keep the Tejas squadrons combat-ready. IAF is already facing a shortage of squadrons, whose number has fallen to 29 as against the 42 required for a two-front war with Pakistan and China.

The Feb incident was the third one involving a Tejas aircraft since its induction in 2016. In March 2024, the fighter faced its first accident near Jaisalmer, when an aircraft crashed while returning from a firepower demonstration. The pilot managed to eject successfully. The second crash happened in Nov 2025 at an aerobatic display at Dubai airshow. The tragic accident killed the pilot, Wing Commander Namansh Syal.

Construction, award of highway projects at 7-year low in 2025-26

New Dehli, Agency: Highway construction and awards for new works fell to a seven-year low in 2025-26, official data show. While overall construction stood at less than 10,000 km, a first since 2019-20, barely 7,000 km of works were awarded in FY26.

The reasons for the fall in performance on these two key parameters in the highway sector include road agencies' following stricter pre-condition of land availability and clearances before bidding out projects and a sharp decline in conversion of state highways to National Highways (NHs).

Officials said that agencies have maintained "self-restraint" to ensure that projects once bid out don't get stuck or delayed due to non-availability of land and other issues, such as forest and environment clearance and utility shifting.

"Projects getting delayed serve no purpose; rather this results in cost escalation. A lot of efforts have been put into bringing down the number of delayed projects. Second, the focus now is on building more economic corridors and expressways rather than incremental expansion of existing highways," an official said.

Centre to be flexible in allocating funds to states under agri schemes: Chouhan

New Dehli, Agency: Union minister Shivraj Chouhan on Tuesday announced that the Centre will introduce flexibility in allocating funds under national agricultural schemes, taking into account the diverse geographical conditions of states.He also said the government was working at a rapid pace to make the agricultural sector self-reliant while also enhancing farmers' incomes and improving their quality of life. Addressing the inaugural session of the Western Regional Conference in Jaipur, the minister underlined the need for agricultural diversification, enhanced production, and the adoption of integrated farming systems to achieve these goals.

He urged all states to ensure 100 per cent registration of farmers under the Farmer ID scheme to enable timely access to government benefits. He also stressed the importance of swift crop damage assessments under the Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, ensuring farmers receive insurance benefits without delay.

"Food security is of paramount importance. In the present global situation, dependence on other countries for food is unacceptable. We must become self-reliant. In wheat and rice, we have made significant progress, and our stocks are full. We also need to become self-sufficient in pulses and oilseeds," Chouhan said.

Highlighting Rajasthan's agricultural potential, he praised the state's initiative to develop a structured agricultural roadmap. He announced that the Centre would send a team of agricultural scientists and experts to further strengthen this effort. The minister pointed to the challenges posed by climate change, including unseasonal rains and extreme weather events that damage crops.

Government calls for AI solutions to speed up Ayushman Bharat claims

New Dehli, Agency: In a push to reduce delays and improve efficiency under the country's largest health insurance scheme, the government has called on researchers and innovators to develop technology-driven solutions to automate claims processing under Ayushman Bharat.

The National Health Authority (NHA), under the Union health ministry, is organising an Auto-Adjudication Hackathon aimed at building scalable tools to streamline how insurance claims are assessed and settled under the Pradhan Mantri Jan Aarogya Yojana (PM-JAY).

The move comes amid growing recognition that faster and more transparent claims processing is critical to strengthening trust in public health insurance schemes, both for hospitals and beneficiaries.

According to a public notice issued by the National Medical Commission (NMC), the hackathon will focus on developing automated systems that can handle large volumes of claims while ensuring accuracy and compliance.

The initiative will culminate in a two-day offline event at the Indian Institute of Science (IISc), Bengaluru, on May 8 and 9, where selected teams will present their solutions.

Registrations for the hackathon are open from March 31 to April 13. In its notice, the National Medical Commission said, "All medical colleges and institutions are advised to disseminate information about the hackathon among stakeholders and encourage participation of researchers, innovators and professionals from academic and professional networks."

Justice B V Nagarathna: Women cannot be 'untouchables' for 3 days every month

New Dehli, Agency: In a debate over faith and belief vs fundamental rights emerging from the striking down of the customary ban on the entry of menstruating women into Lord Ayyappa Temple at Sabarimala, Justice B V Nagarathna on Tuesday criticised the past social practice of treating women as 'untouchables' for three days every month.

Part of the CJI Surya Kant-headed nine-judge constitution bench that commenced what promises to be an intense yet interesting elucidation of contesting constitutional and legal principles on equality, religion, religious practices, faith and belief, Justice Nagarathna said, "As a woman, I do not agree."

Slated to be the first woman Chief Justice of India in Sept next year, she questioned the social practice that isolated menstruating women and said, "There cannot be three days of untouchability in a month for women, after which they are treated normal."The remark came when solicitor general Tushar Mehta was questioning the rationality of the Sept 28, 2018, SC judgment in the 'Indian Young Lawyer Association vs Kerala' case in testing the practice of barring entry of women in the 10-50 age group into the Sabarimala temple on the touchstone of Article 17, which abolished untouchability and made its practice a penal offence.

He said in India women are worshipped, and "we have a president, PM, governors and constitutional post-holders in women". Equality for women is the cornerstone of govt policies, and hence, applying the Article 17 test to declare the custom at Sabarimala as unconstitutional appears to stretch the jurisprudence far beyond the ambit, he said. He said women of all ages enter all Ayyappa temples, but the practice of barring entry of menstruating women into Sabarimala was unique as devotees consider the Lord Ayyappa deity at the temple a "naistik brahmachari".

"This unique attribute of the deity can't be tested by SC," Mehta said, and complained that the jurisprudence of testing every issue with the gender equality litmus paper has unfortunately crept into constitution benches in the last few decades. "Women are equal in every aspect and must be treated equally," he said. Justice M M Sundresh said it is the Centre's argument that since the attribute of the deity is intrinsically linked to the faith and belief of devotees and Lord Ayyappa followers at Sabarimala, the court cannot embark on the validity test of such faith and belief.

Mehta said the Sabarimala temple practice is 'sui generis' (of its own kind) and similar attributes could be found in other religious institutions also.